



पीएम मोदी 'जोनाथन' को पत्ती खिलाते हुए

दुनिया का सबसे पुराना जीवित स्थलीय जीव

194 साल के कछुए 'जोनाथन' को प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाई पत्ती

पीएम ने बॉटनिकल गार्डन में एक पेड़ भी लगाया

जोब 'जोनाथन' से हुई। करीब 194 साल का यह विशाल अल्ब्राइट जाईट कछुआ अपने लंबे जीवन की वजह से पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है। इसका जन्म 1832 के आसपास हुआ था। उम्र अधिक होने के कारण शोष पेज 6 पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी नामला

11 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक, चंपत व मिश्रा के इस्तीफों पर होगा फैसला

ट्रस्ट का दावा- भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित नृपेंद्र मिश्रा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ बनाया जा सकता है

एजेंसी नई दिल्ली

कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि ने कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा का त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा। ट्रस्ट ने बताया कि भक्तों द्वारा दान में दी गई चांदी और आभूषण सुरक्षित हैं। 11 जुलाई को ट्रस्ट की अगली बैठक होगी, इसमें राम मंदिर



फाइल फोटो

ट्रस्ट का नया महासचिव तय होता सकता है। अनिल मिश्रा की जगह पर कोई अन्य सदस्य लाया जा सकता है। बैठक में राम मंदिर परिसर में शोष पेज 6 पर

ट्रस्ट के सदस्य बोले

दोषियों को बख्शा न जाए

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा गंभीर अपराध नहीं होना चाहिए था। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो दोषियों को कानून के मुताबिक उचित सजा मिलनी चाहिए। उडुपी के अष्ट (आठ) मठों

में से एक पेजावर अधोक्षज मठ के प्रमुख स्वामी ने कहा कि पूरे मामले के तथ्य सामने आने चाहिए। इस बीच, अयोध्या के रामलला की प्रतिमा के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने भी पूरे घटनाक्रम पर चिंता जताई। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि

आरोपों की सच्चाई जल्द सामने आनी चाहिए और श्रद्धालुओं की आस्था की हर कीमत पर रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में कुछ भी गलत हुआ है तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और दोषियों को कड़ी सजा मिले।



खबर संक्षेप

बहन की डोली उठना थी, माई की अर्थी उठी

हरदा। जिले के सिराली क्षेत्र स्थित जामन्याकला गांव में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहां बड़ी बहन की शादी की तैयारियों में जुटे 19 वर्षीय भाई लक्ष्मण कोरकू की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। जिस घर में बड़झिरी गांव से बारात आनी थी और मंगल गीत गाए जा रहे थे, वहां भाई की अर्थी उठने से पूरे इलाके में मातम पसर गया।

डूबे 3 दोस्त, तीनों की मौत 3 घंटे बाद मिले शव

जबलपुर। मुहरम की छुट्टी पर नर्मदा में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। हादसा शनिवार दोपहर 2 बजे हुआ। एक दोस्त सोहिल गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बाकी दो दोस्त साहिल और साबिर ने हाथ बढाया, लेकिन वह उन्हें भी पकड़कर पानी में खींच ले गया। तीनों की मौत हो गई।

देश की पहली ड्राइवर-मालिकाना भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को लॉन्च किया। सहकारी ढांचे (को-ऑपरेटिव मॉडल) पर आधारित यह देश का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे ड्राइवरों के पास होगा। पहले चरण में इस सेवा को गुजरात के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। शोष पेज 10 भी

मोपाल के रवींद्र भवन में सशक्त उद्यमी-समृद्ध मप्र समित का आयोजन, सीएम ने की बड़ी घोषणाएं

अगला साल युवा वर्ष के रूप में मनेगा जनवरी में भोपाल में होगी जीआईसी



एमओयू का आदान-प्रदान हरिभूमि न्यूज मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि साल 2027 को राज्य सरकार युवा वर्ष के रूप में मनाएगी। दूसरी ओर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) भी जनवरी में भोपाल में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से 760 से अधिक ईकाइयों को प्रोत्साहन राशि दी। उन्होंने प्रदेश के 137 स्टार्टअप्स को 1.5 करोड़ की सहायता राशि भी दी। मप्र निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत वृहद उद्योगों को 1274 करोड़ की वित्तीय सहायता दी गई। उद्यमियों को उद्योग स्थापना के लिए भूमि आवंटन पत्र और लोन स्वीकृति पत्र भी दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोष पेज 6 पर पढ़ें पेज 05 भी

सीएम ने कहा कि वर्ष 2025-26 में मप्र के 20 उत्पादों को जीआई टैग मिले हैं। राज्य सरकार सभी की कठिनाई को समझते हुए विकास की धारा में सरलता, सुविधा और अपने पारदर्शी निर्णयों के बूते आगे बढ़ रही है

मुख्यमंत्री ने 760 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन राशि दी



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सशक्त उद्यमी-समृद्ध मप्र समित में बोलते हुए

सरकार ने उद्योगों को 1,274 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की एमओयू भी हुए साइन

प्रदेश के 137 स्टार्टअप्स को 1.5 करोड़ की सहायता राशि भी दी

देवास, पांडुर्णा, टीकमगढ़, उज्जैन को एमएसएमई भवन की सौगात

मुख्यमंत्री ने देवास, पांडुर्णा, टीकमगढ़, उज्जैन को एमएसएमई भवन की सौगात भी दी। मंदसौर में मुल्तानपुरा औद्योगिक क्षेत्र में 288 भू-खंड, खरगोन के डबेरिया औद्योगिक क्षेत्र में 103 भू-खंड, जबलपुर में 61 भू-खंड, बैतूल

में 50 भू-खंड, कटनी के नवीन औद्योगिक क्षेत्र में 68 भू-खंड, नीमच के सरगना औद्योगिक क्षेत्र में 127 भू-खंड, खरगोन के डबेरिया औद्योगिक क्षेत्र में 103 भू-खंड दिए गए। प्ले एंड प्लग इंडिया

प्राइवेट लिमिटेड और एमएसएमई विभाग के बीच स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए एमओयू भी साइन किए गए। समित में मुख्यमंत्री ने कटनी और मंडला के उद्यमियों से संवाद भी किया।

एग्रीकल्चर सेक्टर को आधुनिक तरीके से नई ऊंचाई पर लेकर जाएंगे

डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित मप्र का निर्माण करना भी जरूरी है। राज्य सरकार ने आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) को भोपाल में आयोजित करने का निर्णय लिया है। साथ ही वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया शोष पेज 6 पर

उद्योग विकास में मप्र ने हासिल की नई ऊंचाइयां

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मप्र ने उद्योग विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल की है। जब नेतृत्व में दृष्टि हो तो एमएसएमई विभाग का बजट 1100 करोड़ से बढ़कर 2100 करोड़ हो जाता है। राज्य सरकार ने विभाग का बजट बढ़ाकर सीधे तौर पर उद्यमियों को लाभ दिया है। उद्योग स्थापित शोष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री का ऐलान- मप्र बनेगा टूरिस्ट हब

बैतूल का हिल स्टेशन बनेगा कुकरू, होम स्टे की सुविधा भी



सनसेट पॉइंट पर सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के हिल स्टेशन कुकरू को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का ऐलान किया। उन्होंने यहां इको-टूरिज्म, होम-स्टे,

एडवेंचर और कॉफी टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात कही। समुद्र तल से करीब 1137 मीटर की ऊंचाई पर स्थित कुकरू अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ठंडी जलवायु, घने जंगलों और 110 एकड़ में फैले कॉफी बागान के शोष पेज 6 पर

श्रीअन्न के पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुकरू में ग्रामीण के घर किया रात्रि भोजन



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने बैतूल प्रवास के दौरान प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू में शनिवार रात्रि एक ग्रामीण परिवार के साथ भोजन किया। उन्होंने स्थानीय ग्रामीण

शानु मंगल भुसुमकर के निवास पर आत्मीय वातावरण में श्री अन्न (मोटे आना) से बने पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। सीएम को शोष पेज 6 पर

हत्या के बाद खुद ट्रेन से कट गया

पत्नी के डांस से नाराज था, दो बेटों समेत काटा

हरिभूमि न्यूज मुरैना

किशनपुर गांव में शुक्रवार देर रात 35 वर्षीय बलराम सिंह कुशवाहा ने पत्नी और दो बेटों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। फिर शिकारपुर रेलवे फाटक पहुंचा और ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। बसैया थाना प्रभारी विवेक तोमर ने बताया कि वारदात घर के आंगन में हुई। बलराम बेगलुरु में भाबल घिसाई का काम करता था। एक माह शोष पेज 6 पर

जांबाज एसआई ने आरोपी को दबोचा

बैंक ऑफ इंडिया में धमाका कर लूट की कोशिश नाकाम

हरिभूमि न्यूज छिंदवाड़ा

परासिया रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में दिनदहाड़े लूट की एक बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। शनिवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे स्थानीय लोगों द्वारा बैंक का शटर कटा होने की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और बैंक प्रबंधन तुरंत मौके पर पहुंचे। जब पुलिस दो शटर पार कर पहली मंजिल पर स्थित बैंक के अंदर शोष पेज 6 पर

मंदसौर में मर्डर का बदला मर्डर

बेटे की रंजिश में पिता को दौड़ा-दौड़ाकर मार डाला

हरिभूमि न्यूज मंदसौर

जिले की अभिनंदन कॉलोनी में सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां दो महीने पहले हुए एक मर्डर का बदला लेने के लिए छह हमलावरों ने आरोपी के पिता की तड़पा-तड़पाकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 42 वर्षीय रवि माली के रूप में हुई है। शनिवार सुबह जब रवि रोज की तरह अपने खेत पर फूल तोड़ने गए थे, तभी पहले से घात लगाए शोष पेज 6 पर

एपीडा की पहल से रीवा सुंदरजा आम ने वैश्विक बाजार में रखे कदम

150 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया

हरिभूमि न्यूज मोपाल



सुंदरजा आम

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पैकिंग शोष पेज 6 पर

1 मीट्रिक टन आमों की पहली खेप यूएई रवाना

रीवा के किसान ने की शुरुआत

रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक खेप में एक मीट्रिक टन आम शामिल थे, जिसे 26 जून 2026 को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया। निर्यात की गई खेप के आम रीवा जिले के गोविंदगढ़ निवासी प्रगतिशील किसान सोनू गुप्ता और शोष पेज 6 पर

शिक्षा विभाग ने रद्द की परीक्षा

एजेंसी नई दिल्ली

महाराष्ट्र में 28 जून, 2026 को विभिन्न एग्जाम सेंटर में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की परीक्षा आयोजित करायी जानी थी। लेकिन, परीक्षा से एक दिन पहले ही ठाणे से टीईटी का पेपर लीक हो गया है। शिक्षा विभाग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को अब रद्द कर दिया गया है। ठाणे में पुलिस ने पेपर को

महाराष्ट्र में एग्जाम से एक दिन पहले लीक हुआ 'टीईटी' पेपर

बरामद किया। साथ ही इस मामले में कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। शिक्षा विभाग जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा। परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी भी जल्द ही दी जाएगी। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएससीई) की ओर से ये परीक्षा आयोजित की गई थी। अब पुलिस जांच करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि प्रश्न-पत्र लीक कैसे हुआ। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस रैकेट में और भी लोग शामिल थे।

एसआईटी गठित

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के लिए ठाणे के संयुक्त पुलिस आयुक्त पंजाबराव उगले की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की है। स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भुसे और डीजीपी सदानंद दाते से बात कर मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चार दिन तपेगे 20 से ज्यादा शहर

हरिभूमि न्यूज मोपाल

तीन दिन पहले मानसून की एंटी के बाद भी पहली बार प्रदेश में मौसम के दो रंग देखने मिल रहे हैं। शनिवार को सीधी और उमरिया में लू चलने से जनजीवन प्रभावित रहा, वहीं भोपाल, रतलाम, छिंदवाड़ा और धार में झमाझम बारिश से जिले तरबतर हो गए। राजधानी में भी रात को तेज बारिश से थोड़ी राहत मिली है। शनिवार को रतलाम में 40, छिंदवाड़ा में 36 और धार में 28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पढ़ें पेज 14 भी

40 जिलों में बारिश का अलर्ट, प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश

मौसम के दो रंग, सीधी-उमरिया में लू भोपाल, रतलाम, छिंदवाड़ा में झमाझम



भोपाल के एम्पी नगर का रात 9-30 बजे का दृश्य

उमरिया का पारा 42 डिग्री

वहीं, दूसरी तरफ उमरिया में पारा सबसे अधिक 42.0 डिग्री रहा, जो सामान्य से 7.6 डिग्री ज्यादा है। इसके अलावा छतरपुर के खजुराहो में 41.6 डिग्री, ग्वालियर में 41.5 डिग्री और सीधी में तापमान 40.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर और दमोह में भी लू जैसे हालात रहे। प्रदेश में मानसून आने के बाद वह अटक गया है, जिसकी वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश नहीं हो पा रही। ऐसे में शोष पेज 6 पर

आकाशीय बिजली का कहर 2 हादसों में 2 युवकों की मौत

सीहोर में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो अलग-अलग गांवों में बड़ा हादसा हो गया। इन दर्दनाक घटनाओं में दो युवकों की जान चली गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। पहला हादसा लसूडिया बोडी गांव का है, जहां 26 वर्षीय भरत जांगड़ा और दौलत सिंह खेत में फसलों पर दवा का छिड़काव कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल में इलाज के दौरान भरत की मौत हो गई, जबकि दौलत सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। दूसरी घटना इछावर थाना क्षेत्र के सिराडी गांव की है। यहां 18 वर्षीय पवन अपने घर के आंगन में मां के साथ बैठकर मोबाइल चला रहा था, तभी अचानक उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। गंभीर रूप से झुलसने के कारण पवन की मौके पर ही मौत हो गई।

शनि प्रदोष पर बाबा बटेश्वर का हुआ रुद्राभिषेक

भोपाल। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा शनि प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर का तिल के तेल, काली तिल, पंचामृत भस्म एवं विजया से रुद्राभिषेक कर शनि ग्रह से परेशान जातकों के लिए शनि शांति की प्रार्थना की गई। समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि मंदिर में बड़ी संख्या में अपनी कुंडली में शनि दोष से परेशान भक्तजन पहुंचे थे। इस दौरान सभी के लिए शनि शांति के लिए प्रदोष काल में रुद्राभिषेक किया गया साथ ही आम भक्तजनों ने काले तिल एवं अपराजिता के नीले पुष्प चढ़ाकर शनि शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की। सायंकाल बाबा बटेश्वर का चंदन, विभिन्न प्रकार के पुष्प एवं रत्नों से दिव्य श्रृंगार कर रात्रि 10 बजे महाआरती की गई। इस अवसर पर समिति के शिशिर मिश्र, अभिषेक लाला आकाश अग्रवाल, मोनू रावैर, प्रकाश मालवीय सहित बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

पहले मिलता था यहां देश के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद, असामाजिक तत्व कोच को पहुंचा रहे नुकसान

भोपाल स्टेशन पर चार साल पहले शुरू हुआ कोच रेस्टोरेंट खंडहर में तब्दील, भिखारियों का कब्जा

स्टेशन पर लावारिस हालत में रखा कोच, भिखारियों ने अपना डेरा बनाया, मेट्रो काम के चलते कोच को हटाकर दूसरी जगह रखा



दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रेलवे के अफसरों का कहना है कि रेल कोच रेस्टोरेंट को फिर से शुरू करने के लिए योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। तो वहीं वर्तमान में यह कोच लावारिस हालत में रखा है। साथ ही अब भिखारियों ने इसमें अपना डेरा बना लिया

है। तो कई लोग इसका शौचालय के रूप में उपयोग कर रहे हैं। असामाजिक तत्व कोच को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मेट्रो काम के चलते इस कोच को अभी दूसरी जगह खुले में रख दिया गया। इस पर रेलवे अधिकारी ही ध्यान नहीं दे पा रहे हैं जबकि आए दिन यहां पर रेलवे के आला-अधिकारी दौरा कर रहे हैं।

55 लाख रुपए से ज्यादा की आय की थी उम्मीद

रेलवे ने मार्च 2022 में कोच स्टेटोरेट योजना को शुरू किया था। जब वह कोच स्टेटोरेट से पिर गया है। इसका संचालन पीपीपी मॉडल पर बढ़ा किया गया था। रेलवे को अनुमति मिली कि इससे सालाना 55 लाख रुपये से ज्यादा की आय होगी। जब यह शुरू हुआ था तब लोग यह अपने वात पठिया वाहन से सीधे स्टेटोरेट तक पहुंचवाने की सुविधा शुरू की गई। इसकी क्षमति यह थी कि कोच में निम्नलिखित पदों के लजीज व्यंजन जैसे मुंबई की पाव भाजी, कोल्हापुर का मीसत पाव, दक्षिण भारत का इडली-डोसा, बिहार का लिट्टी चोखा, पंजाब का छोला-कुरमा, राजमा-चावल, आलू-बड़ा, समोसा, बुरेन्दखंड की आलू-टिफिन, मटर-चावल के साथ ही कई खादिष्ट व्यंजन यहां उपलब्ध थे। लेकिन इन मह बाद यह अतुर स्टेटोरेट बंद हो गया। इसके बाद एक बार फिर यह शुरू किया गया। लेकिन एक माह बाद यानी साल 2023 के पहले ही यह बंद हो गया।

कमी हुआ करता था आकर्षण का केंद्र
रेल कोच रेस्टोरेंट लोगों के आकर्षण का केंद्र था। अब वही परिसर गंदगी से घिरा है। यहां बद्बू के कारण खड़े होना भी मुश्किल है। यह अब केवल शो-पीस है।

विद्यार्थियों
में दिखा
उत्साह



हरिभूमि न्यूज ▶▶ | भोपाल

मध्य प्रदेश मेंट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) की 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' पॉलिसी के तहत शनिवार को भोपाल मेंट्रो में एक संस्था द्वारा 'कलेट ऑन व्हील्स' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुभाष नगर मेंट्रो स्टेशन से एम्स मेंट्रो स्टेशन के बीच चलित मेंट्रो में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान सामान्य ज्ञान आधारित क्विज प्रतियोगिता एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण विषय पर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम के लिए मेंट्रो में दो कोच करीब दो घंटे के लिए आरक्षित किए गए थे, जिनमें करीब

100 विद्यार्थियों शामिल हुए। विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान पर आधारित वि्वज प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही उनका करिष, व्यक्तित्व विकास, लुधे निर्धारण एवं भविष्य निर्माण से जुड़े विविध विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। चलित मेट्रो में आयोजित 'क्लैट ऑन व्हेल्स' ने विद्यार्थियों को सीखने का एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। मेट्रो यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने वि्वज प्रतियोगिता, संवादत्मक सत्र एवं अन्य ज्ञानवर्धक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

करीब 16 महीने पहले की गई थी जब्ती
एमडी ड्रग्स निकला यूरिया
बर्खास्त 3 पुलिसकर्मी बरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर



लखन गुप्ता

जियज्य पोटीदार और शाहनवाज शेख को गिरफ्तार और उन्हें पास से 198 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलने का दावा किया था। पृष्ठतः के दौरान दोनों ने पुलिसकर्मी लखन गुप्ता का नाम लिया, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में विभाजन ने उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया। भोपाल और हैदराबाद की लैब में कराई जांच जांच के दौरान जब पदार्थ के सैंपल भोपाल की फॉरेंसिक लैब में भेजा। रिपोर्ट में यह गवां कि कथित एमडी ड्रग्स वास्तव में यूरिया है। इसके बाद पुलिस ने दोबारा हैदराबाद की सेंट्रल लैब से जांच कराई, लेकिन वहां भी रिपोर्ट में पदार्थ यूरिया ही निकला।

**पाठ्यपुस्तक निगम की टेंडर प्रक्रिया का मामला
हाईकोर्ट पहुंचा, संबंधित पक्षों को नोटिस जारी**

स्कूलों में मिलने वाली गणवेश में होगी
देरी, आगामी सुनवाई तक टेंडर पर रोक

» क्राउन क्लोथिंग
प्राइवेट लि. ने
लगाई याचिका

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

प्रदेश के सांदिपनी स्कूलों के बच्चों को मिलने वाली गणवेश इस बार देरी से स्कूलों में पहुंचेगी। गणवेश खरीदी को लेकर शुरू की गई प्रक्रिया विवादों में घिरती नजर आ रही है। मामला अब हाईकोर्ट तक पहुंचा है और मामले में न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते

हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं आगामी सुनवाई तक टेंडर का कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। दरअसल, सादीपनी स्कूलों के बच्चों की गणवेश के लिए पाठ्यपुस्तक निगम ने टेंडर जारी किया था। मामले में क्राउन क्लोथिंग प्राइवेट लिमिटेड ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में पुराने ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया गया है कि स्कूल यूनिफॉर्म की खरीद के लिए जारी टेंडर प्रक्रिया में नियमों में मनमाने बदलाव कर

कुछ चुनिन कंपनीयाँ को लाभ
पहुँचाने को कोशिश की गई। पहले
जिन कंपनियाँ के लिए न्यूनमूल्य
टर्नओवर की शर्त अधिक थी, उस
संशोधित किया गया। आरोप है कि
इस बदलाव से एक विशेष कंपनी
को सीधा फायदा पहुँचाने का प्रयास
किया गया। मामले में न्यायालय ने
कहा कि आली सुनाई तक टेडर
की प्रक्रिया में कोई भी अंतर
कार्यवाही नहीं की जाएगी। साथ ही
राज्य शासन और संबंधित
प्रतिवादीयों को सत दिन के भीतर
जवाब प्रस्तुत कराने के निर्देश दिए
गए हैं।

किसानों के जननायक स्वामी सहजानंद सरस्वती

ज न नायक स्वामी सहजानंद सरस्वती सच्चे अर्थों में अद्वैत दर्शन के प्राज्ञ मनीषी एवं युगपुरुष थे, जिन्होंने जन-जन में भगवान को देखा और जनता की जनार्दन के रूप में अर्चना-आराधना की। तत्त्वज्ञान के प्रतिपादक उपनिषद्वादी, संस्कृत, संस्थ शब्दों में कहते हैं कि अन्नं ब्रह्मोति विजिज्ञासात् अर्थात् अन्न को ब्रह्म मानो। स्वामी जी ने भी 'वन्दे अन्नदातारम्' का लोकमंगलकारी उद्घोष करके किसानों एवं खेत मजदूरों के सर्वोत्कृष्ट कल्याण और उनकी रोजी-रोटी के लिए शोषकों से, भूस्वामियों से संघर्ष किया। अतः उनका दूसरा नारा यही था कि- 'बांध कमर क्यों डरता है? फिर देख तू क्या-क्या करता है' उनकी अंतिम घोषणा थी कि- 'जो अन्न वस्त्र उपजाएगा, अब सो कानून बनाएगा। यह भारतवर्ष उसी का है, यह शासन वहीं चलाएगा।'।



उन्होंने किसानों के उद्धार के लिए 1928 ई. में किसान सभा की स्थापना करने का फैसला किया। अगले वर्ष उसका पहला अधिवेशन 1929 ई. में हुआ। उसी वर्ष कांग्रेस के लंदन अधिवेशन में भी उन्होंने भाग लिया। 1930 ई. तथा 1945 ई. में कांग्रेस के अधिवेशन में भी उन्होंने भाग लिया। 1930 ई. में कांग्रेस के लंदन अधिवेशन में भी उन्होंने भाग लिया। 1930 ई. में कांग्रेस के लंदन अधिवेशन में भी उन्होंने भाग लिया।

(लेखक भोजपुरी समाज, भोपाल के बौद्धिक प्रकोष्ठ के संयोजक हैं)

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी
को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्ष्मी झा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होंगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति
बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, 4 तल, पीवी 2, बी ब्लॉक, कमलापति रेल्वे स्टेशन के पास, शिवाजी नगर, भोपाल

मो. 8770833858, 8349245522

सैटेलाइट से होगी 32 हजार एकड़ सरकारी जमीनों की निगरानी

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

राजधानी सहित आसपास की बेशकीमती सरकारी जमीनों को बचाने की कवायद एक बार फिर शुरू की जा रही है, जिसके तहत सैटेलाइट का लाइव एक्सेस लेकर सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण और कब्जों की लाइव मॉनीटरिंग की जाएगी। जिसके बाद पटवारियों से वॉरिफिकेशन कराकर एसडीएम अपने क्षेत्र के अवैध कब्जों को हटाएंगे।



डीजीपीएस मशीन से कराया जाएगा सीमांकन

जिले में सरकारी जमीनों पर कब्जे को लेकर जहां पर विवाद है, वहां पर डीजीपीएस मशीन से सरकारी जमीन का सीमांकन कराया जाएगा। इन जमीनों को सुरक्षित करने तार फेंसिंग भी कराई जाएगी। शहर में कई सालों पुरानी सरकारी जमीनों को खोजने के लिए सैटेलाइट सिस्टम मदद करेगा।

जिन जमीनों पर पहले से कब्जे हैं, उन्हें भी हटाया जाएगा। जिसमें झुग्गी सहित अन्य कब्जे शामिल हैं, हालांकि झुग्गीवासियों को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। अवैध कब्जे रोकने की जिम्मेदारी कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सभी एसडीएम को सौंपी है।

एक दिन की कार्रवाई के बाद आरपीएफ का अभियान हुआ बंद, किन्नरों की फिर शुरू हुई वसूली

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भोपाल-बीना, भोपाल-इटारसी रूट पर चलने वाली ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री पिछले कुछ माह से किन्नरों के आतंक से परेशान हैं। इसको लेकर यात्रियों द्वारा कई बार शिकायत की गई। तो वहीं आरपीएफ की ओर से जब कोई बड़ी घटना होती है, इसके बाद दो-चार दिन खानापूति के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। इसके बाद फिर मामला शांत हो जाता है। तो वहीं किन्नर फिर से बेखौफ समूह बनाकर ट्रेनों के कोचों में प्रवेश करते हैं और यात्रियों से पैसों की वसूली करते हैं। विगत दिनों एक बार फिर सोशल मीडिया पर किन्नरों के पैसे वसूली को लेकर वीडियो सामने आया था। इस दौरान पैसे नहीं देने पर किन्नर द्वारा यात्री से अभद्रता कर रहे थे।

खबर संक्षेप



बागिश अग्रवाल मुख्यमंत्री की भेंट की चर्चाएं तेज

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ भाजपा नेता बागिश अग्रवाल मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा करते हुए का फोटो वायरल होने पर नगर में कानाफूसी तेज हो गई है, क्योंकि बागिश अग्रवाल नया अध्यक्ष के प्रबल दावेदार हैं। आजकल बागिश अग्रवाल भोपाल से दिल्ली तक सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री से हुई भेंट के कारण नगर में भाजपा की राजनीति तेज हो गई है।

अस्पताल के बाथरूम में मरीज ने फांसी लगाई

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित कुशाभाई ठाकरे अस्पताल के बाथरूम में मरीज ने गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मरीज सागर से इलाज कराने के लिए परिचित के साथ गांव से भोपाल आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि बीमारी और तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार दीपक शुक्ला (48) सागर के एक गांव के रहने वाले थे। वह खेती किसानी करते थे। उन्हें हार्ट की बीमारी थी साथ ही वह डिप्रेशन में भी रह रहे थे। दोनों ही बीमारी का इलाज कराने वह गांव के परिचित के साथ गत 22 जून से कुशाभाऊ ठाकरे अस्पताल कजलीखेड़ा आए थे। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे वह बाथरूम गए थे। उन्होंने ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और फांसी लगा ली। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो अस्पताल के कर्मचारियों ने किसी तरह दरवाजा तोड़ा था। इस दौरान दीपक शुक्ला का शव गमछे के सहारे फंदे पर लटका मिला।

शुभांक			
करणा:	1736		
दिन:	135	97	566
रात:	000	00	000
तारा:			
दिन:	000	00	000
रात:	000	00	000

गंभीर हालत में भोपाल रेफर, फर्जीवाड़े में नाम सामने आया था

हरिभूमि न्यूज ►► विदिशा

विदिशा में करोड़ों रुपए के कथित एसबीआई गोल्ड लोन फर्जीवाड़े की जांच के बीच एक बैंककर्म ने आत्महत्या का प्रयास किया। जांच के दायरे में आए बैंककर्म मंनोज सोनी ने शनिवार को अपने खामखेड़ा स्थित फार्म हाउस पर कथित तौर पर छरें वाली बंदूक से खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में उन्हें पहले जिला अस्पताल और बाद में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर कर दिया गया। मंनोज सोनी का नाम एसबीआई गोल्ड लोन फर्जीवाड़े की जांच के

भोपाल-बीना और इटारसी रूट पर किन्नरों का आतंक जारी, ट्रेनों में समूह बनाकर चढ़ते हैं और करते हैं वसूली, यात्रियों को हो रही परेशानी



ट्रेन में यात्रियों से पैसा पसूलते किन्नर।

एआई फोटो

दिल्ली रूट की तरह यहां पर भी समस्या अब आम हो गई

इन रूट पर रोजना अप-डाउन करने वाले यात्रियों का कहना है कि दिल्ली-पंजाब रूट की तरह यहां भी यह समस्या अब आम होती जा रही है। किन्नरों का समूह लगातार अभद्रता कर वसूली करते हैं। इस पर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत है। कई बार पैसे देने से इनकार करने पर बहस और अभद्रता जैसी स्थिति भी बन जाती है। इससे खासकर महिला, बुजुर्ग और परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्री असहज महसूस करते हैं।

पुष्पक और कुशीनगर एक्सप्रेस में अधिक शिकायतें

भोपाल-विदिशा के बीच अप-डाउन करने वाले सुशील पवार ने बताया कि मेमू, पैसेंजर और कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों में इस तरह की समस्या अधिक होती है। रेलवे सूत्रों के अनुसार विशेष रूप से पुष्पक एक्सप्रेस और

कुशीनगर एक्सप्रेस में ऐसे मामले अधिक बताए जा रहे हैं। इन ट्रेनों में बड़ी संख्या में श्रमिक वर्ग और दैनिक यात्री सफर करते हैं। यात्रियों का कहना है कि कई लोग विवाद से बचने के लिए मजबूरी में पैसे दे देते

आउटर पर उतरने से कार्रवाई में आती है दिक्कत

यात्रियों के मुताबिक संबंधित समूह अक्सर इटारसी से ट्रेनों में सवार होते हैं और भोपाल स्टेशन पहुंचने से पहले आउटर पर ट्रेन की रफ्तार कम होने पर उतर जाते हैं। यही

वजह है कि स्टेशन परिसर में उनकी पहचान और गिरफ्तारी मुश्किल हो जाती है। तो वहीं इस संबंध में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि

हैं, जिससे इस तरह की गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। विदिशा में ऐसे ही एक मामला पिछले लगातार एक यात्री द्वारा पैसे नहीं दिए जाने पर किन्नरों में मार-मार कर मौत के घाट तक उतार दिया था।

समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। आने वाले दिनों में एक बार फिर रेलवे की ओर से किन्नरों पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

20 जून की रात गैस राहत कॉलोनी में आरोपियों ने की वारदात

दो दोस्तों पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

निशातपुरा पुलिस ने गैस राहत कॉलोनी के पास दो दोस्तों पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने रंजिश में लेकर दो युवकों पर जानलेवा हमला किया था। एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार देवकी नगर करोंद निवासी शाहरुख उर्फ भूरा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि विगत 20 जून की रात पुरानी रंजिश को लेकर समीर भन्ना, रेहान, सदफ और शादब उसके घर आए और हथियार निकालकर विवाद किया। इसके बाद जब शाहरुख अपने दोस्त अमिर उर्फ अम्मू के साथ रात करीब एक बजे गैस राहत कॉलोनी की तरह जा रहा था तभी रास्ते में समीर भन्ना के घर के बाहर समीर, उसके भाई रहीम उर्फ करतुला, रेहान, सदफ और दोस्त शादाब ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। इस बीच आरोपियों ने अम्मू को जमीन पर गिरा दिया और जान से मारने की नीयत से उस पर चाकूओं से कई बार वार किए। बीच-बचाव के दौरान शाहरुख को भी हाथ पर गंभीर चोट आई। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।



निशातपुरा थाना पुलिस की गिरफ्त में हमला करने वाले तीनों आरोपी।

मुख्य आरोपी के खिलाफ दर्ज हैं 25 गंभीर अपराध

आरोपियों ने रंजिश में दो युवकों पर जानलेवा हमला किया था

बीच-बचाव के दौरान शाहरुख को भी हाथ पर गंभीर चोट आई

थाना निशातपुरा से आरोपियों का जुलूस निकाला गया

मुखर्बिर की सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार घटना के बाद से ही पुलिस को चकमा दे रहे आरोपियों समीर उर्फ भन्ना रेहान, सदफ तीनो निवासी गैस राहत कॉलोनी करोंद की 26 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्य आरोपी समीर भन्ना एक कुख्यात आदतन अपराधी हैं। उसके खिलाफ पूर्व से ही 25 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। क्षेत्र में अपराधियों का खौफ समाप्त करने और आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास व सुरक्षा का भाव मजबूत करने के उद्देश्य से थाना निशातपुरा से आरोपियों को जुलूस निकाला गया।

औबेदुल्लागंज में मात्र आधे घंटे की बारिश से मुख्य सड़क सहित पेट्रोल पंप हुआ जलमग्न नगर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से नगर परिषद की खुली पोल

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

नगर में शनिवार शाम करीब 4 बजे तेज गरज और चमक के साथ हुई जोरदार बारिश ने नगर परिषद की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। करीब आधे घंटे की बारिश में नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई।

नालियों और नालों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर गया। सबसे अधिक परेशानी मुख्य सड़क स्थित पेट्रोल पंप के सामने देखने को मिली। जहां सड़क तालाब में तब्दील हो गई। वहीं पेट्रोल पंप परिसर और आसपास के क्षेत्र में एक फीट तक पानी भर गया, जिससे



पेट्रोल पंप पर भरा बारिश का पानी।

वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। हर वर्ष बारिश के दौरान इसी तरह की स्थिति निर्मित होती है। इसके

बावजूद नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर न तो ध्यान देते हैं, और नहीं जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाते हैं। पहली ही तेज बारिश से नगर की बदहाल जल निकासी व्यवस्था उजागर हो गई है।



बैठक में मन की बात कार्यक्रम पर हुई चर्चा

औबेदुल्लागंज। भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, पार्षद दीपू परमार, मनोज चौरसिया, नीरज चावला, महेंद्र चौहान, पुरुषोत्तम शर्मा ने शनिवार को शक्ति केंद्र के वार्ड 4, 5, 13, 14 एवं 15 की बैठक आयोजित की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में शक्ति केंद्र संयोजक, सह संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं पार्षद आदि उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनसेवा के कार्यों को गति देने का संकल्प लिया।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में उमड़ी गोसेवा की भावना

मात्र 15 मिनट में श्री विद्यासागर गोशाला के विकास के लिए जुटे 33 लाख रुपए, एक नए शेड के निर्माण पर व्यय की जाएगी राशि

हरिभूमि न्यूज ►► मंडीदीप

औद्योगिक नगरी मंडीदीप में आयोजित 8 दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवें दिन धर्म, करुणा और सेवा का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। विधान के दौरान श्रद्धालुओं ने श्री विद्यासागर गोशाला, भोजपुर के विकास के लिए मात्र 15 मिनट में 33 लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया। यह राशि गोशाला में एक नए शेड के निर्माण पर व्यय की जाएगी। विधानाचार्य एवं संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज तथा आचार्य श्री 108 समयसागर जी



श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में पूजा करते श्रद्धालु।

महाराज के परम प्रभावक शिष्य बाल ब्रह्मचारी श्री संजीव भैया (कटंगी) ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि माता-पिता की सेवा जितनी पुण्यदायी है, उससे भी बढ़कर मूक एवं असहाय जीवों की सेवा का महत्व है। उन्होंने कहा कि गोसेवा

केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का जीवंत स्वरूप है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने अपने जीवनकाल में अनेक गोशालाओं की स्थापना और संरक्षण का संदेश देकर जीवदया की अनुपम परंपरा स्थापित की।

श्रद्धालुओं ने किए 256 अर्घ्य समर्पित

बाल ब्रह्मचारी संजीव भैया के प्रेरक उद्बोधन से प्रभावित होकर उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक गोशाला निर्माण के लिए सहयोग की घोषणा की। देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में 33 लाख रुपए की सहयोग राशि एकत्र हो गई, जिससे श्री विद्यासागर गोशाला, भोजपुर में एक नवीन शेड का निर्माण कराया जाएगा। विधान के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के मंडल पर 256 अर्घ्य समर्पित किए गए। आयोजन में मंडीदीप के अलावा भोपाल, औबेदुल्लागंज, रतलाम, छिंदवाड़ा, गोंदिया, मुंबई सहित विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन सहभागिता कर रहे हैं।

प्रतिदिन हो रहे धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिदिन प्रातः धार्मिक अनुष्ठानों के साथ रात्रि में संगीतमय आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कार्यक्रम के अंत में भोजपुर क्षेत्र कमेटो एवं श्री विद्यासागर गोशाला समिति ने गोशाला के लिए इतनी बड़ी सहयोग राशि एकत्र कराने पर बाल ब्रह्मचारी संजीव भैया का तिलक एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। आयोजन में गोसेवा के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह यह संदेश देता है कि धर्म तभी सार्थक है, जब उसके साथ सेवा और संवेदनशीलता भी जुड़ी हो।

वार्ड 12 में कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का शुभारंभ अर्जुन नगर के पीपल चौक स्थित मंदिर में प्रथम दिन अर्धनारीश्वर की सुनाई कथा

हरिभूमि न्यूज ►► औबेदुल्लागंज

महाशिव पुराण कथा के प्रवक्ता दिवटिया रोड स्थित मां काली मंदिर के सेवक अरुण भावसार और आरती यादव के साथ धर्म प्रेमी माता बहनों ने वार्ड 12 स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। यहां विशेष पूजा अर्चना के बाद शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन कथा वचक ने मां काली के चरण सेवक द्वारा लिंग उत्पत्ति एवं अर्धनारीश्वर भोलानाथ का चरित्र सुनाते हुए सत्य और असत्य पर प्रकाश डाला।



कथा से पूर्व कलश यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु।

कथा सुनने से मनुष्य सत्य मार्ग पर चलता है

उन्होंने कहा कि शिव पुराण सुनने के बाद मनुष्य का जीवन अवश्य बदल जाता है, जिससे मनुष्य का स्वभाव, अस्तित्व से सत्य मार्ग पर चलना अवश्य सीख जाता है। प्रथम दिवस शिव महापुराण कथा स्थल पर देवास से पछारे प्रकाश किर्ण भावसार और सत्यनारायण भावसार मौना भवसार, भोपाल निवासी संध्या भावसार, बचन सिंह लोधी, धनु चौरसिया, इंदिरा यादव, सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विकसित औद्योगिक परिवेश का संदेश देती प्रदर्शनी का किया उद्घाटन अनेक उत्पादों की ली जानकारी



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को 10 वें अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर रवींद्र भवन में ही दो पवेलियन में विकसित औद्योगिक परिवेश का संदेश देती प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में मप्र के एमएसएमई एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की उद्यमिता, नवाचार तथा विनिर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेक उत्पादों की जानकारी ली और स्टार्टअप एवं सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यमियों से चर्चा कर उनका उत्साह वर्धन किया।

प्रदर्शनी में 60 से अधिक स्टाल लगाए गए थे। झोन निर्माण समाधान, आईओटी-आधारित फिजियोथेरेपी उपकरण, सोलर वाटर हीटर एवं डीट पंप, रेलवे तथा रक्षा इंजीनियरिंग उत्पाद, पेटेंटयुक्त इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स एवं ईवी चार्जिंग समाधान, कृषि-अवशेष पैलेट्स तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के उत्पादों सहित विविध नवाचारी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'बाजार से' नामक एआई-

आधारित प्लेटफॉर्म का उद्घाटन किया, जो ग्राहकों एवं व्यवसायों को जोड़ता है तथा इसे देश के पहले एआई-संचालित बाजारों के रूप में स्थापित करता है। मुख्यमंत्री ने बांसकारी स्टॉल पर बांस से बनी अनेक वस्तुओं की जानकारी ली। एमएसएमई विभाग की ओर से मप्र के सात जिलों के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित पवेलियन (एमपी पवेलियन) भी स्थापित किया गया।

इसके साथ ही औद्योगिक नीतियों एवं योजनाओं संबंधी एमएसएमई विभाग की जिज्ञासाओं के निवारण संबंधी एक हेल्पडेस्क तथा उद्यमियों के लिए ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस फेसिलिटेशन डेस्क की भी स्थापना की गई। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया (सीबीआई), एमएसएमई टेकनोलॉजी सेंटर, पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) सहित विभिन्न संस्थानों ने भी राज्य में एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स के विकास के लिए इस प्रदर्शनी में सहभागिता की।

धरातल पर आया 9,300 करोड़ का निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य में विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। अब तक जो एमओयू हुए उनमें से 9,300 करोड़ का निवेश धरातल पर आया है। कनाडा की मैकमैन कंपनी आगर मालवा, यूके की दो बड़ी कंपनियां पीथमपुर, जापान, चीन, आयरलैंड और दक्षिण कोरियाई कंपनियां प्रदेश में निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि कपास पर मंडी शुल्क घटाकर आधा करने की मांग 25 साल से की जा रही थी। ऐसा नहीं होने से हमारे कपास उत्पादक किसान महाराष्ट्र और अन्य पड़ोसी राज्यों में अपनी उपज बेचने को मजबूर थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश कपास उत्पादक किसानों को मंडी शुल्क कम कर सीगतात दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक जिले के रेवेन्यू का मॉडल तैयार करने पर काम करेगी।

जमीन पर दिखने लगा निवेश

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि मप्र की विकास यात्रा में 49 प्रतिशत निर्यात एमएसएमई सेक्टर से आता है। राज्य में जीआईएस के दौरान मिले निवेश प्रस्तावों में से 9 लाख करोड़ का निवेश जमीन पर दिखाई देने लगा है। निवेश से जीडीपी को गति मिलती है। मप्र ने एमएसएमई उत्पादों के निर्यात में एक वर्ष में 4 स्थानों की छलांग लगाई है। इस मामले में देश में मप्र का नंबर अब 11 वां है। मप्र वह राज्य है, जिसने भारत सरकार की ओर से तय 23 सुधारों को शत प्रतिशत लागू किया और देश में टॉप कपास उत्पादक किसानों को मंडी शुल्क कम कर सीगतात दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक जिले के रेवेन्यू का मॉडल तैयार करने पर काम करेगी।

बेरोजगारी पर सरकार नहीं दे रही जवाब जीतू का सवाल-हर पेपर लीक के मामले में भाजपाई ही क्यों?

14-15 जुलाई को कांग्रेस करेगी जेन-जी साइक्लोरॉथन का आयोजन

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जब से आई है तब से 10 सालों में 85 पेपर लीक हो चुके हैं और इनसे 2 करोड़ से ज्यादा बच्यो प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कई भर्ती घोटाले हुए। उन्होंने कहा कि हर भाजपाई पेपर लीक माफिया नहीं होता, लेकिन सवाल उठाया कि हर पेपर लीक के पीछे भाजपाई ही क्यों होता है? पटवारी शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल पेपर लीक या भर्ती



घोटाले के आरोपियों को बरी करने का काम किया है। व्यापम घोटाले में कई गिरफ्तारियां हुईं। कोर्ट में केस चला फिर भाजपा की सरकार में सभी बरी हो गए। पटवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के कार्यकाल में व्यापम घोटाला हुआ। उसके बाद मोहन सरकार ने आरोपियों को संरक्षण देने का काम किया। पटवारी ने बताया कि आगामी 14-15 जुलाई को कांग्रेस जेन- जी साइक्लोरॉथन का आयोजन करने जा रही है।

पेपर सेंटिंग से प्रिंटिंग तक सबका निजीकरण

इस अवसर पर मौजूद पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि 2014 तक ज्यादातर सरकारी परीक्षाएं सरकारी संस्थाएं ही कराती थीं। उनका आरोप है कि भाजपा ने 2017 में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) बनाई, जिसके बाद कई पेपर लीक के मामले सामने आए।

उन्होंने कहा कि मौजूदा एनटीई चेयरमैन प्रदीप जोशी के कार्यकाल में दो बार नीट पेपर लीक हुआ। जयवर्धन ने कहा कि प्रदीप जोशी 2006 से 2011 तक एमपीपीएससी के अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन पर प्रोफेसरों की कथित अवैध भर्ती के आरोप लगे थे।

एमएसएमई, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की उद्यमिता नवाचार तथा विनिर्माण क्षमताओं की अनूठी प्रदर्शनी

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस-2026 पर रवींद्र भवन में आयोजित विकसित औद्योगिक पर लगाई गई प्रदर्शनी में मप्र के उद्यमियों, स्टार्ट-अप क्रिएटर्स, कारीगरों एवं श्रमिकों ने अपने स्टॉल लगाए। प्रदर्शनी में झोन निर्माण, आईओटी आधारित फिजियोथेरेपी उपकरण, सोलर वाटर हीटर एंड डीट पंप, रेलवे और रक्षा इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स एवं ईवी चार्जिंग, कृषि यंत्र सहित नवाचारी उत्पाद खास रहे।

प्रदर्शनी में 60 से अधिक स्टॉल लगाए

व्योन रोबोट करेगा फसलों की सुरक्षा

इंदौर से आई 'मॉडर्न विलेज फ्यूचर कंपनी के डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर राहुल राठौर ने बताया कि उनकी कंपनी का ऑटोनोमस व्हीकल सेल्फ-ड्राइविंग करके सेंसर, कैमरों और एआई (एआई) की मदद से खुद को नैविगेट करने और चलाने में सक्षम है। व्योन नामक रोबोट का काम खेतों में लगी फसलों को स्प्रे करना है, इसको सेटेलाइट द्वारा संचालित किया जाएगा। इसे खास तौर पर फसलों की देखभाल के लिए बनाया गया है। यह घास, जमीन, फसलों की जड़ों को पहचान कर स्प्रे करता है। जो पूरी तरह से इको-फ्रेंडली है।



खेतों के अवशेष से बन रहा ईंधन

एग्रो वंडर पावर (इंदौर) के मैनेजर प्रदीप जैन ने बताया कि उनकी कंपनी ने खेतों में फसल कटाई के बाद बचने वाले अवशेष, जैसे पराली, सरसों का भूसा और सोयाबीन के डंठलों का उपयोग कर बायोमास ब्रिकेट और पेलेट बनाए हैं। इनका इस्तेमाल ईंधन के रूप में किया जाता है। एनटीपीसी, डाबर, रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियां और थर्मल पावर प्लांट भी कोयले के विकल्प के रूप में इन बायोमास पेलेट का उपयोग कर रहे हैं। इससे प्रदूषण कम होता है, किसानों को फसल अवशेष का बेहतर मूल्य मिलता है और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।



रौनक इंडस्ट्री की अहम भूमिका

रौनक इंडस्ट्री के मैनेजर राहुल चक्रवर्ती ने बताया कि उनकी कंपनी रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की शिफ्टिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले रेलवे प्लेट्स का निर्माण करती है। इन उपकरणों की पूरी मेटल प्रोसेसिंग, मशीनिंग और निर्माण कंपनी के प्लांट में किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्लेट्स का गुणवत्ता, सही फिटिंग और सुरक्षित संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कंपनी की टीम रेलवे साइट पर जाकर इनकी फिटिंग भी करती है। बेहतर गुणवत्ता और सटीक निर्माण के कारण रेलवे संचालन को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने में कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका है।



श्रीअन्न से बने बिना शक्कर के बिस्किट से मिलेगा स्वास्थ्य और स्वाद

एमएसएमई समारोह में मप्र से उद्यमिता, स्वरोजगार, स्टार्टअप, स्व-सहायता समूह तथा एक जिला, एक उत्पाद पर आधारित भव्य प्रदर्शनी और स्टॉल लगाए गए थे। 50 से अधिक स्वदेशी स्टॉलों पर ऊर्जा संरक्षण के लिए सोलर गीजर, श्रीअन्न से बने बिना शक्कर के बिस्किट, कच्ची घानी के तेल, मसाले, प्राकृतिक सौंदर्य उत्पाद, केले के तने के रेशों से बने बैग, बोटलें, टोकरियां तथा श्रम और समय बचाने वाली नवाचारी मशीनों का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज, लघु उद्योग भारती और स्वावलंबी भारत अभियान की प्रांत सह समन्वयक प्रतिभा शुक्ला और भोपाल विभाग की टीम सह प्रमुख संगीता तिवारी, रचना भार्गव, अंशिका सोनी, नंदनी व्यास, प्रज्ञा सेन, बिदिया खर्बं उद्यमी, केत की मंजरी श्रीवास्तव, हरिओम



प्रदर्शनी में स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज और पदाधिकारियों ने स्टॉलों का अवलोकन किया।



सेन, अभिनव, प्रणव पारे, दीपक वर्मा की उपस्थिति रही। सभी ने प्रदर्शनी एवं स्टॉल का अवलोकन किया। टीम ने उद्यमियों के नवाचारों की सराहना की। स्वदेशी पत्रक वितरित

किए तथा उनके कार्यों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने मिलेट्स के विभिन्न प्रकार के बिस्किट खरीदे और उद्यमियों को स्वदेशी जागरण मंच से जोड़ा।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर आयोजित हुए विशेष सत्र

पूंजी तक पहुंच, निरंतर क्षमता वृद्धि जरूरी, बाजार, नई उड़ान और पूंजी की व्यवस्था सत्रों में बड़ी संख्या में जुटे उद्यमी

सुरक्षा के लिए निर्यात ऋण बीमा के लाभों को किया रेखांकित

ओएनडीसी तथा ईसीजीसी के प्रतिनिधियों ने बाजार पहुंच विस्तार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मस् तथा विशेष रूप से छोटे एवं नवीन निर्यातकों के लिए भुगतान जोखिमों से सुरक्षा हेतु निर्यात ऋण बीमा के लाभों को रेखांकित किया। चर्चा में इंडिया पोस्ट के विस्तृत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को एक विश्वसनीय एवं किफायती समाधान के रूप में उजागर किया गया तथा यह निष्कर्ष निकाला गया कि एमएसएमई डिजिटल उपकरणों, नवाचार, वित्तीय संरक्षण तथा सुदृढ़ स्प्ललाई चैन सहायता का लाभ उठाकर प्रभावी रूप से अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं।

वित्त पोषण परिदृश्य पर की गई चर्चा

नई पीढ़ी के एमएसएमई के लिए वित्त-पोषण सत्र में मॉडरेटर ऋचा सिंह, सीनियर मैनेजर, अन्ट्र एंड यंग एलएलपी ने तकनीकी सत्र का संचालन किया। विकसित हो रहे वित्त पोषण परिदृश्य पर चर्चा की गई तथा डिजिटल एवं वैकल्पिक वित्त-पोषण माध्यमों के द्वारा ऋण प्राप्ति में आने वाली बाधाओं को कम करने पर बल दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के बावजूद,

एमएसएमई को समय पर एवं सुलभ वित्त प्राप्त करने में कोलैटरल की कमी, अपूर्ण दस्तावेजीकरण तथा सीमित क्रेडिट इतिहास जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चर्चा में डिजिटल लेनदेन के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया गया, जिसमें यूपीआई डेटा को नकद प्रवाह तथा साख-योग्यता के आकलन हेतु एक उपयोगी उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

दोनों सत्रों में नव उद्यमियों के प्रश्नों और शंकाओं का समाधान भी किया गया

डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। बैंकिंग दृष्टिकोण से एमएसएमई की ओर से वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, दस्तावेजीकरण में सुधार करने तथा ऋण पात्रता बढ़ाने के लिए सुदृढ़ साख प्रोफाइल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इनवाइंस डिस्काउंटिंग के माध्यम से कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में ट्रेड्स की भूमिका को भी रेखांकित किया गया, जिससे त्वरित नकदी प्रवाह तथा औपचारिक क्रेडिट ट्रेल स्थापित करने में सहायता मिलती है। सत्र में यह निष्कर्ष निकाला गया कि एमएसएमई को विकास के लिए पूंजी तक पहुंच तथा सतत विस्तार सक्षम बनाने में डिजिटल अंगीकरण, वित्तीय साक्षरता, वैकल्पिक वित्त पोषण तथा सुदृढ़ संस्थागत सहयोग को समाहित करने वाला एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

पल्स पोलियो अभियान का आज शुभारंभ करेंगे सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

सीएम आज आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की जनस्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान एवं जनभागीदारी आधारित अभिनव

पहल सुमन पंचायत का शुभारंभ करेंगे। साथ ही वे स्टेट एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस एक्शन प्लान 2.0 का अनावरण करेंगे। सीएम एचपीवी टीकाकरण अभियान एवं स्वस्थ यकृत मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित भी करेंगे। सीएम के नेतृत्व में स्वस्थ मप्र, समृद्ध मप्र के संकल्प को साकार करने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री केलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अब संघ में बहुत भीड़ हो गई है। हमारी संख्या बढ़ गई, हमारी बहुत बड़ी पार्टी बन



हमारी संख्या बढ़ गई, हमारी बहुत बड़ी पार्टी बन

भाजपा सरकार आते ही संघ के हुए अधिकारी, संघ में भीड़, लेकिन अच्छे लोगों की कमी अब हर अफसर कहता है, मैं भी संघ का करीबी: विजयवर्गीय

गई है। जो अधिकारी आता है, वह कहता है मैं भी संघ का करीबी हूं। उन्होंने बताया कि एक अधिकारी ने मुझसे कहा कि मेरे पिताजी संघ जाते थे। कोई कहता है कि मेरे पिताजी संघ में अध्यक्ष थे।

इस पर तंज कसते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार आने के बाद सभी अधिकारी संघ के हो गए हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद अधिकारी भी खुद को संघ से जुड़ा बताते लगे हैं। मंत्री जी भोपाल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

चिंतन-मनन की दी सलाह

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि संघ में लोगों की भीड़ तो हो गई है, लेकिन अच्छे लोगों की कमी है। पहले अच्छे इंसान थे, अब ऐसे इंसानों की संघ में कमी होती जा रही है। संगठन बढ़ रहा है, विचारधारा भी बढ़ रही है, लेकिन अच्छे लोग नहीं होंगे तो इस विचारधारा का महत्व क्या है? इसके साथ उन्होंने चिंतन और मनन की सलाह भी दे डाली।

रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों से आत्मीयता से घुले-मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

‘गोविंद बोलो, हरि गोपाल बोलो’ भजन गाकर ग्रामीणों का सीएम डॉ. मोहन ने मोहा ‘मन’, भाव-विभोर हो उठे लोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिल स्टेशन कुकरू में लगाई रात्रि चौपाल, ग्रामीणों से पूछे हालचाल



भी समर्थन मूल्य पर निरंतर की जाएगी। ग्राम कुकरू में पशुपालन को उन्नत नरल के पशु उपलब्ध कराने तथा पशुशेड निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने



शनिवार को बैतूल प्रवास के दौरान प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सहज, आत्मीय चर्चा की।

अनेक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को बताया कि आजीविका मिशन के माध्यम से ग्राम में कृषि सखी, जेंडर सखी, बकरी पालन, भैंस पालन, मुर्गी पालन सहित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। साथ ही सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जुड़कर समूह की अनेक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

राज्य सरकार की योजनाओं से लखपति बनीं दीदियां ऋण सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उदाहरण देते हुए ग्रामीणों से विवाह समारोहों में अनावश्यक खर्चों से बचने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने मरु भोज जैसी कुप्रथाओं को भी समाज में हतोत्साहित करने का आह्वान किया।

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2,3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा: हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

{ निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क }

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती मांगीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंडेसिटिव इक्विटी प्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का

मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वैश्व ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि



दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।

► भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और गवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पेंसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश मांगीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेगा।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

{ सुझाव बिजनेस डेस्क }

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फ्लिहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।



बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉण्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और कर्रेशन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉर्पोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फ्लिहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताया का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनैतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

- छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड
- 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी
- 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनिवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।



{ जानकारी बिजनेस डेस्क }

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

- हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश
- निवेश प्रक्रिया सरल और आसान
- बचत प्रबंधन में सुविधा
- नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प
- आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

- हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी
- वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल
- लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण
- निवेश योजना पहले से तय रहती है
- वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5.10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुनी। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ती हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

- प्रतिशत आधारित वृद्धि
- बड़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ
- लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना
- इक्विटी में एसआईपी के लिए उपयुक्त
- महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश		
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.	
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.	
वैरिखल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु	

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति का आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और जेनो से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत

{ सनझदारी बिजनेस डेस्क }

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसे की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशकों को यह सुविधा मिलती है कि मैच्युरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्ज्वीयन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। गिजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।



3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईसीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करना है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 15 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। वहीं निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के निमित्त, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी

- कम अवधि का निवेश
- पैसे की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी

- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी

- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त
- निवेश टैक्स
- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्युरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रूकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण



- खास बातें
- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
 - संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
 - नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
 - शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल कोनों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

इसका नतीजा यह होता है कि थोड़ी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह उदावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना

अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान थिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सख्त, डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए। भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा

दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्जवल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल है-यह सब चरमरा जाता है। इससे मीडमाड, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो दहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और कंस्ट्रैक्शन के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं है, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्तव दैकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हदस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कोई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती, चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें प्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं करवाया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें ला बावजूद इसके बिल्डर धड़लते से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार

पर एकमात्र को जनता की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है। देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवन्मशेली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो घण्टों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का दशका लगातार जारी है। इंसान की उम करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आयुदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यह हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसके बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढंग पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा कदम पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती है। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीवनी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटों तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में खुलेस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को धेरा हुआ है।

भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिपामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाने समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी

आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

विशेषता बना रहे हैं- 'उत्तर मुर्खी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माणों को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्निक निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर

विशेषता बना रहे हैं- 'उत्तर मुर्खी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माणों को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्निक निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर

बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

होने वाला सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निष्पत्ति उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना

पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह धम पर रखकर भी हो, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण

पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह धम पर रखकर भी हो, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण

रस्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।



विरोधाभास

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा स्थानों की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड्डांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाण का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण



कमल हासन ने बताया अंडरवर्ल्ड और काले धन का कड़वा सच...

मुंबई। फिल्म निर्माता कमल हासन ने साल 2017 में एक इवेंट में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड से दूरी क्यों बनाई। उस इवेंट में उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते और काले धन का खेल उन्हें बहुत असहज करता था। उन्होंने अपने शब्दों में कहा था, 'मैं वहां नहीं रुकना चाहता था, या तो उससे लड़ूं या फिर डर के आगे झुक जाऊं।' कैमल ने

बताया कि काले धन से दूर रहने का यह फैसला उन्होंने बहुत पहले अपने भाई के साथ मिलकर लिया था। उन्हें यह प्रेरणा सिनेमैटोग्राफर किंगडेट से मिली थी। 1980 के दशक में 'एक टूजे के लिए' और 'सागर' जैसी हिट फिल्में देने के बाद भी, इसी फैसले की वजह से उन्होंने बॉलीवुड के बजाय ज्यादातर तमिल सिनेमा में अपना करियर बनाया।

लाइफStyle

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार दीपिका पादुकोण ने साल 2007 में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' से हिंदी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की थी। फराह खान के निर्देशन में बनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में शाहरुख और दीपिका दोनों ही दोहरे किरदारों (डबल रोल) में नजर आए थे।

दीपिका

पहले फराह की सलाह ने बदली राह

एजेंसी ►► मुंबई

हाल ही में रिलीज हुए अपने एक नए कुकिंग ब्लॉग में फराह खान ने बताया कि उन्होंने अपनी खोज यानी दीपिका पादुकोण को उनकी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' के सेट पर उतारने से पहले कितनी कड़ी तैयारी करवाई थी। फराह खान ने बताया कि उन्होंने दीपिका को सीधे कैमरे के सामने खड़ा नहीं किया था। फराह ने कहा, 'मैंने दीपिका को लॉन्च करने से पहले उसका बहुत ख्याल रखा। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने उसे करीब 3-4 महोनों के लिए अनुपम खेर की एक्टिंग क्लास में भेजा, ताकि वह अभिनय की बारीकियां सीख सके। इसके बाद उसकी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर करने के लिए मैंने उसे कथक डांस की क्लास जॉइन करवाई। हमने फिल्म के किरदारों के लिए उसके कई अलग-अलग लुक टेस्ट भी किए थे। फराह ने आगे एक बेहद दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, "जब फिल्म की मुख्य शूटिंग शुरू हुई, तो मैंने पहले 10 दिनों तक दीपिका का कोई भी सीन शूट नहीं किया। मैंने उससे साफ कह दिया था कि तुम पहले 10 दिन बस सेट पर आओगी और वहां चुपचाप बैठकर देखोगी कि शाहरुख खान कैसे काम करते हैं और श्रेयस तलपड़े किस तरह दृश्यों को जीवंत बनाते हैं।



हॉलीवुड मसाला

हाउस ऑफ द ड्रैगन का जलवा

बरकरार

लॉस एंजिल्स। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के तीसरे सीजन की शुरुआत धमाकेदार रही है। इसे पहले 3 दिनों में 215 करोड़ लोगों ने देखा है। यह सूझा पिछले सीजन के शुरुआती एपिसोड के 2.34 करोड़ व्यूअर्स से थोड़ी कम जरूर है। इसके बावजूद, शो की एकड़ दशकों पर बनी हुई है और अब निर्माताओं के चौथे और अखिरी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीजन 1 बना हुआ है सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च- शो का सीजन 1 आज भी सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च माना जाता है। इसने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के खतम होने के बाद एचबीओ के लिए कई नए रिकॉर्ड बनाए थे।



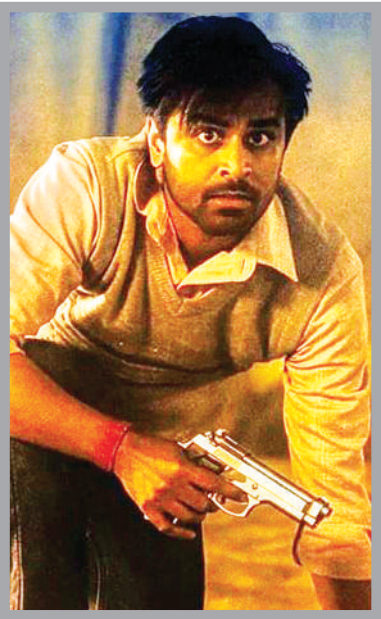
फिल्म 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड निदेशक चार्ली बीन की एनिमेटेड फिल्म 'डोंकी' से जुड़ा सबसे बड़ा अपडेट आ गया है। एनिमेशन फिल्में बनाने वाले ड्रीमवर्क्स एनिमेशन ने यूनिवर्सल पिक्चर्स के साथ मिलकर फिल्म की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया। यह चर्चित एनिमेटेड फिल्म 'श्रेक' (2001) फ्रेंचाइजी की एक रिपन-ऑफ होगी, जो श्रेक के मजेदार और बड़बोले दोस्त डोंकी की शुरुआती कहानी को दिखाएगी। मशहूर अभिनेता एडी मर्फी एक बार फिर 'डोंकी' के किरदार को अपनी जादुई आवाज देंगे। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने कुछ दिन पहले 'श्रेक 5' का टीजर जारी करते हुए बताया था कि फिल्म 2027 की गर्मियों में रिलीज किए जाने की योजना है। अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। 'श्रेक 5' की रिलीज के एक साल बाद, यानी 30 जून, 2028 को यह रिपन-ऑफ सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।



हॉलीवुड में मेरा बेस्ट काम अभी बाकी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा उन गिने-चुने भारतीय कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। प्रतिष्ठित 'कान लायंस' सम्मेलन में अपने हॉलीवुड सफर पर चर्चा करते हुए प्रियंका ने वैश्विक मंच पर और अधिक विविध काम करने की इच्छा जताई। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजेक्शन्स' और हालिया एडवेंचर फिल्म 'द ब्लक' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में अभिनय करने के बाद भी उनका कहना है कि पश्चिमी सिनेमा में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। उन्होंने साझा किया कि भारत में उन्होंने बेहतरीन निदेशकों के साथ हर तरह के जॉनर और किरदारों को जिया है, लेकिन अमेरिका में अंग्रेजी भाषा के काम में वे अभी तक वैसी विविधता नहीं ला पाई हैं।



मिर्जा: द मूवी में दिखेंगे खूंखार अवतार

मुंबई। 'मिर्जापुर: द मूवी' के नए कैरेक्टर पोस्टर सामने आ गए हैं। इन पोस्टरों में फैंस को जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी और रवि किशन के किरदारों की पहली झलक देखने को मिली है। इससे पहले एक टीजर भी आया था, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया जैसे आइकॉनिक किरदार फिर से दिखाए गए थे। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बढ़ गया है। जितेंद्र बबलू पंडित के किरदार में हैं और वे हथियार पकड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक बनर्जी एक बार फिर ईटेंस कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं, वहीं रवि किशन बबन बबुआ बनकर एक दमदार अवतार में दिखेंगे। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है।

टीवी मसाला



‘बिग बॉस 20’: चारु ने क्यों ठुकराया सलमान का शो? कारण छू लेगा दिल

मुंबई। सलमान खान के शो 'बिग बॉस सीजन 20' को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो इस साल शो सितंबर के अखिर तक टीवी पर वापसी कर सकता है। निर्माताओं ने जानी-मानी हस्तियों को शो में शामिल करने के लिए उनसे संपर्क करना भी शुरू कर दिया है। अभिनेत्री चारु असोपा को भी प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकारने की बजाए ठुकरा दिया। उन्होंने इसका कारण भी खुद बताया है। चारु ने अपने ब्लॉग में लिखा, '2 दिन पहले मुझे 'बिग बॉस' से कॉल आया था, लेकिन मैंने अपनी जिंदगी में जो भी बदलाव किए हैं, वे सब जिन्यान के लिए हैं। मैं उससे दूर नहीं रहना चाहती। मेरा मकसद ऐसा काम करना है जिससे मैं उसके साथ समय बिता सकूँ और एक मां के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभा सकूँ। उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं नहीं निभाना चाहेंगी, जिनके लिए उन्हें अपनी बेटी से दूर रहना पड़े।

बेटी के पास रहते हुए काम करना चाहती हैं अभिनेत्री : चारु ने आगे बताया कि अगर उन्हें काम के चलते अपनी बेटी से दूर रहने में दिक्कत नहीं होती, तो वह मुंबई नहीं छोड़तीं। उनकी जिंदगी जिन्यान के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटी की सभी आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती हैं। बता दें, चारु की शादी सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन से हुई थी। हालांकि जून, 2023 में दोनों का तलाक़ हो गया था। अभिनेत्री अपनी बेटी की परवरिश अकेली मां बनकर कर रही हैं।

रियलिटी शो ‘अलायंस’ में सोहेल होंगे शामिल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सोहेल खान प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'अलायंस' में वाइल्डकार्ड एंट्री लेने जा रहे हैं। वे इस शो के पहले वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए हैं। कुणाल इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसमें 16 सैलिब्रिटीज को जोड़ियों में बांटा जाता है। इन जोड़ियों को कई चीजों से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि, सोहेल पहले भी कई शो को जज कर चुके हैं, लेकिन रियलिटी टीवी पर बतौर प्रतियोगी यह उनकी पहली एंट्री होगी। सोहेल की एंट्री अगले हफ्ते टेलीकास्ट होगी। इससे डेजी शाह-जेद दरबार और कुशल टंडन-अर्श्वान गोनी जैसी पहले से मौजूद जोड़ियों के बीच एक नया टिक्कर आएगा। खास बात यह है कि सोहेल की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह के भी शो में शामिल होने की अप्रवृत्ति है। ऐसे में लगातार फिल्माए जा रहे 'रोफ रूम' के उन लम्हों में क्या नया झुमा होगा, इसे देखने के लिए दर्शक बेहद उत्सुक हैं। बनजय एशिया द्वारा निर्मित यह शो 'अलायंस' अपनी शुरुआत से ही दर्शकों की खूब पसंद आ रहा है।

‘धर्मन’ के लिए कसी कमर जबरदस्त है थलाइवा का अंदाज

मुंबई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' का आधिकारिक नामकरण हो चुका है। इसे 'धर्मन- द डेडली डॉक्टर' शीर्षक दिया गया है। हाल ही में निर्माताओं ने इस ऐलान के साथ अभिनेता की पहली झलक भी सोशल मीडिया पर जारी की थी। अब ताजा अपडेट है कि सुपरस्टार ने अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। उनका एक और पोस्टर जारी किया गया है, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।



डॉक्टर के लुक में दमदार दिखे रजनीकांत
राज कमल पिक्चर्स इंटरटेनमेन्ट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर रजनीकांत का पोस्टर जारी किया है। इसमें अभिनेता डॉक्टर का खून से लथपथ कोट हाथ में पकड़े हुए हैं। दूसरे हाथ में उनका पहचान पत्र है, जबकि गले में स्टेथोस्कोप पड़ा हुआ है और जमीन पर कई सारी बंदूक की गोलियां बिखरी हुई हैं।

उनका यह अंदाज एक ऐसे डॉक्टर की एक्शन से भरपूर कहानी को तरफ संकेत देता है, जिसका एक खतरनाक विद्रोही पक्ष भी है।

रजनीकांत और कमल हासन की एक साथ वापसी

निर्माता कमल हासन ने 'थलाइवर 173' का ऐलान इसी साल जनवरी में किया गया था। इसके जरिए वह और रजनीकांत पेशेवर तौर पर करीब 47 साल बाद साथ में आ रहे हैं। दोनों की आखिरी फिल्म 'अल्फाउदीनम अपुथा विलाकुम' (1979) में आई थी। राशि खन्ना भी फिल्म में शामिल हो चुकी हैं और कुछ दिन पहले उन्होंने सेट से मुद्दत की तस्वीरें साझा की थीं। इस परियोजना के निदेशन की कमान अश्वथ मारिमुदु ने संभाली है।

‘वेलकम 2 द जंगल’ की कमाई से होगी वीर नारियों की मदद, निर्माता ने किया ऐलान...

मुंबई। अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसी बीच फिल्म के निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने देशभक्ति और ईशानियत की एक अनोखी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी इस फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की विधवाओं (वीर नारियों) के कल्याण के लिए दान करने का एक बेहद नेक और बड़ा संकल्प लिया है।



नाडियाडवाला का दिल जीतने वाला संकल्प

फिरोज ने ऐलान किया कि फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की वीर नारियों के कल्याण के लिए दान किया जाएगा। ये राशि इस दिशा में काम करने वाले संगठनों को दी जाएगी। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म की कहानी भी भारतीय सेना की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें मुख्य किरदार शुरुआत में अमीर अप्रसर बनने का नाटक करते हैं, लेकिन बाद में देश की मदद के मिशन में जुट जाते हैं।

फिरोज की फिल्म निर्माताओं से अपील

फिरोज नाडियाडवाला ने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी सिर्फ बड़ी कंपनियों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की होती है। उनका मानना है कि सभी को एक-दूसरे की मदद कर दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य दूसरे फिल्म निर्माताओं को भी प्रेरित करना है। फिरोज ने सभी निर्माताओं से अपील की कि वे अपनी फिल्मों की कमाई का कुछ हिस्सा एनजीपी, खासकर अनाथ लड़कियों की मदद करने वाली संस्थाओं को दान करें।

‘वेलकम 4’ में फिर जमेगी नाना पाटेकर और अनिल कपूर की जोड़ी ...



मुंबई। 'वेलकम टू द जंगल' में नाना पाटेकर और अनिल कपूर नजर नहीं आए, जिससे फैंस को उनकी कमी खली, लेकिन अक्षय कुमार ने एक उम्मीद भरी बात कही है। उन्होंने इशारा दिया है कि अगर कभी 'वेलकम 4' बनी, तो आप 'उन सबको साथ देख पाएंगे। ये दोनों कलाकार पुरानी 'वेलकम' फिल्मों के चहेते रहे हैं, इसलिए उनके दोबारा एक साथ आने की खबर ने सबको उत्साहित कर दिया है।

निदेशक अहमद ने कहीं ये बात - निदेशक अहमद खान ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान वे नाना और अनिल दोनों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि नाना खुद ही फिल्म के बारे में जानकारी लेते रहते थे, जबकि अनिल ने कहा था कि वे दोबारा उनके साथ काम करना पसंद करेंगे। इस फिल्म में सुनिल शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावत, दिशा पटानी और लारा दत्ता भी हैं।

‘शक्ति शालिनी’ ‘दायरा’ और ‘मायसा’

मेडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'शक्ति शालिनी' में अनीत पट्टा नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2027 के शुरुआत में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फ्राइम थिलर फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होगी। इसमें करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। एक्शन थिलर फिल्म 'मायसा' साल 2026 के अक्टूबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और दमदार किरदार में नजर आएंगी।



एजेसी ►►देहरादून

कर्णप्रयाग प्रकरण के बाद उत्तराखंड में तनावपूर्ण माहौल के बीच शुक्रवार को उत्तराखंड प्रशासन और निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में महत्वपूर्ण वार्ता हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने शांति बनाए रखने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति जताई। निहंगों ने प्रशासन के सामने मुकदमा वापस लेने, निहंग सिखों से मिलने समेत 4 मांगें रखीं। इन पर प्रशासन ने दो दिन का समय मांगते हुए उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई है। निहंग दो दिनों तक पांवटा साहिब में ही रहेंगे।

कर्णप्रयाग
विवाद सुलह के
करीब पहुंचा



निहंगों का एक जत्था

उत्तराखंड प्रशासन और सिख समुदाय के बीच हुई वार्ता, निहंगों को किया रिहा

निहंगों ने कानून को हाथ में नहीं लेने का दिया आश्वासन

शुक्रवार को भी उत्तराखंड-हिमाचल सीमा पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। हरिद्वार के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, अल्मोड़ा के एसएसपी हरबंस सिंह सहित अधिकारी गुरुद्वारा पांवटा साहिब पहुंचे। डीएसपी पांवटा साहिब मानवेंद्र सिंह और थाना प्रभारी कुलवंत सिंह भी मौजूद रहे। दोनों के बीच लिस्ट एवं सकारात्मक चर्चा हुई।अधिकारी लौट गए, जबकि पंजाब का निहंगों का जत्था गुरुद्वारा पांवटा साहिब में ही रुका हुआ है।

प्रशासन ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया

जगदीप सिंह अकाली, निहंग प्रतिनिधि ने कहा कि प्रशासन संग सकारात्मक चर्चा हुई है और प्रशासन ने उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। प्रशासन ने 2 दिन का समय मांगा है यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती और गिरफ्तार निहंग सिंहों को रिहा नहीं किया जाता, तो आगे की रणनीति पर अमल किया जाएगा।

ये हैं निहंगों की मांगें

- जेल में बंद निहंगों से मिलने दिया जाए।
- अस्पताल में भर्ती घायल निहंग से भी मुलाकात हो।
- निहंगों को जमानत दिलाएं और उन्हें साथ लेकर ही जाएंगे।
- शांतिपूर्वक हेमकुंड यात्रा करने दी जाए।

सरकार ने लगाई सिंहीं की टोली

निहंगों से वार्ता के लिए सरकार ने भी अपने सिंहीं की टीम उतारी थी। इनमें भुल्लर से लेकर कई अन्य सिख अफसर निहंगों से वार्ता करने पहुंचे। इससेन तो भाषा बाधा बनी और न ही सांस्कृतिक उलझन पैदा हुई। दो दिनों में कई दौर की वार्ता के बाद आखिरकार शुक्रवार को यह रणनीति काम कर गई और निहंगों के साथ सकारात्मक बातचीत से इसका अस्थायी ही सही, लेकिन हल निकल आया।

पंजाबी भाषा भी बनी बड़ी समस्या

ज्यादातर निहंग केवल पंजाबी भाषा में ही बात करते हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन और पुलिस अफसर को निहंगों से सीधा संवाद करने में भी कठिनाई हो रही थी। कई निहंग सिख इसी बात को कह रहे थे, उनसे पंजाबी में बात करो। ऐसे में पंजाबी कितने लोगों को आती है यह बड़ी समस्या थी।

खबर संक्षेप

छोटे चाय उत्पादकों को मिलेगी किसान आईडी

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमांता बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि असम में छोटे चाय उत्पादक अब



किसान पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। सरकार के अलग-अलग लाभों का फायदा उठा सकेंगे। किसानों को किसान आईडी जारी की जाएगी। वे उर्वरक, सरकारी योजनाओं के लाभ, कर्ज और अन्य कृषि सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

300 फीट नीचे नाले में गिरी कार, 4 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश में चंबा जिला के जनजातीय उपमंडल भरमौर में शनिवार को भीषण



सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। सागर-उरई लिंक रोड पर सारणी का नाला के समीप एक अल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में लुढ़कते हुए नाले में जा गिरी। कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 2 अन्य घायल हो गए।

जोधपुर एयरपोर्ट का 4 को मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेंखावत ने कहा कि जोधपुर में 35 वर्षों से अधिक समय से प्रतिष्ठित नया एयरपोर्ट टर्मिनल अब जनता की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।नई दिल्ली से जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेंखावत ने यह बात कही।

यूपीएससी की सीधी भर्ती के लिए आवेदन 17 तक

नई दिल्ली। यूपीएससी ने भारत सरकार के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से



ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 17 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। भर्ती से संबंधित विस्तृत विज्ञापन आयोग की अधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिया है। विज्ञापन में पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए हैं।

बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत, मां-बेटा घायल

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र के एनएच-334 स्थित टियाला अंडरपास के पास शनिवार को सुबह ट्रैक्टर टूली ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक कार के नीचे आ गई और कार हाईवे पर पलट गई। बाइक सवार जिला गाजियाबाद के गांव कम्हेटा निवासी विनोद उर्फ बबली (35) व उनके पुत्र प्रियांश (11) की मौके पर ही मौत हो गई।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने गुजरात में लॉन्च की ‘भारत टैक्सी सर्विस’ देश के पहले राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म में ड्राइवरों के पास होगा सीधे तौर पर ‘मालिकाना हक’



एजेसी ►►गांधीनगर

ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा

गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया

निजी कैब कंपनियों की मनमानी कैसिलेशन होगी खत्म

पूरे गुजरात में अगले माह से

‘को-ऑपरेटिव मॉडल’ से लोगों को दिया जा रहा लाभ



भारत सेवा टैक्सी लॉन्चिंग के कार्यक्रम में गृहमंत्री शाह और सीएम पटेल व अन्य

लॉन्चिंग के पहले चरण में इस सेवा को गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। सरकार और सहकारिता मंत्रालय का लक्ष्य बेहद आक्रामक है; उन्होंने अगले एक महीने के भीतर इस सर्विस के ऑपरेशंस का विस्तार पूरे गुजरात राज्य में करने की योजना बनाई है।

अब हर घर तक पहुंच होगी आसान

लॉन्चिंग कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ टैक्सी सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और आज यह जरूरत हर घर तक पहुंच गई है। उन्होंने साफ किया कि प्राइवेट सेक्टर की टैक्सी सेवाओं में कई तरह की दिक्कतें उभर कर सामने आ रही थीं, जिससे परेशान होकर आम जनता और ड्राइवर्स दोनों ने ही उनसे मुलाकात कर समाधान की उम्मीद जताई थी। इसी वजह से एक नए सहकारी ढांचे को विकसित करने का निर्णय लिया गया।

इससे शोषणमुक्त होंगे लोग

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जब यह मुद्दा सामने आया, तो शुरुआत में यह विचार भी आया था कि सरकार को प्राइवेट कैब कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए एक नया कानून बनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल एक नया कानून बना देना किसी भी समस्या का 100 प्रतिशत समाधान नहीं हो सकता। यही कारण है कि सिर्फ कानूनी बंदिशों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार ने एक ऐसा बिजनेस मॉडल तलाशने का फैसला किया जो बुनियादी रूप से ही शोषण से मुक्त हो।

भाजपाध्यक्ष का 3 दिनी तेलंगाना दौरा आज से संगठन की कई बैठकों में लेंगे हिस्सा, जनसंपर्क करेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार से 30 जून तक तेलंगाना के महत्वपूर्ण 3 दिवसीय सं ग ठ ना त्म क प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान नवीन प्रदेश में पार्टी के सांगठनिक ढांचे को नई ऊर्जा प्रदान करने, जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को व्यापक बनाने और आगामी रणनीतियों को धार देने के उद्देश्य से कई उच्च-स्तरीय बैठकों

की अध्यक्षता करेंगे। वे नवनिर्मित जिला कार्यालयों का लोकार्पण करेंगे, युवाओं, बू्थ अध्यक्षों से संवाद करेंगे तथा तेलंगाना प्रदेश भाजपा की राज्य कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन कर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। रविवार को रांगारेड्डी ग्रामीण जिला भाजपा कार्यालय का भीतिक उद्घाटन करेंगे, तथा 9 अन्य नवनिर्मित जिला कार्यालयों का वचुंअली लोकार्पण भी करेंगे। वे नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में बू्थ अध्यक्षों के साथ एक अहम संवाद करेंगे।

दो अलग-अलग मामलों में हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

माता-पिता के विवाद में बच्चों को नुकसान, जबरन ‘पिस’ रहे

एजेसी ►►नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक चाइल्ड कस्टडी मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद का सबसे अधिक नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कस्टडी से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी या बच्चे को दूसरे अभिभावक के सौंपने में टालमटोल करने से नाबालिग को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव झेलना पड़ता है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

चाइल्ड कस्टडी मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने की टिप्पणी



माता-पिता के साथ सार्थक समय बिताने का है हक

पीठ ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को माता-पिता दोनों के साथ स्वस्थ और सार्थक संबंध बनाए रखने का अधिकार है। यदि छुट्टियों के दौरान कस्टडी देने में देरी करने की प्रवृति को बढ़ावा दिया गया, तो इससे बच्चे के हितों के साथ अभिभावकों के साथ उसके संबंधों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब की बेटी शर्मिष्ठा ने लेख साझा कर किया दावा मेरे पिता का मानना था मोदी से पहले किसी भी प्रधानमंत्री को सीधे जनादेश नहीं मिला

एजेसी ►►नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की बेटी और कांग्रेस की पूर्व नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने एक लेख में दावा किया है कि उनके दिवंगत पिता का मानना था कि नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्हें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में जनता से सीधे जनादेश मिला। उन्होंने लिखा कि पहले नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक कोई भी प्रधानमंत्री सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुना गया था।

किसी पूर्व प्रधानमंत्री को नहीं मिला यह श्रेय



दोनों में अच्छे संबंध रहे

मुखर्जी ने लिखा कि अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े होने के बावजूद दोनों के बीच अच्छे संबंध थे, जो एक सच्चे लोकतंत्र की पहचान है। चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी प्रणब मुखर्जी से मिलने पहुंचे थे।

3 दशकों के बाद किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत

उन्होंने कहा कि 3 दशकों के बाद किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। तब बाबा ने प्रोफेसर वाले अंदाज में पूछा, और क्या? जब मोदी जी चुप रहे, तो बाबा ने बताया कि 2014 का चुनाव इतिहास में अनोखा था।

प्रोविजनल आंसर-की जारी

नीट में ड्रॉप हो गया एक सवाल एवज में मिलेंगे 4 बोनस नंबर

एजेसी ►►नई दिल्ली

री-नीट परीक्षा का रिजल्ट आने से पहले ही छात्रों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को देशभर में कड़ी सुरक्षा के बीच 5 हजार से अधिक केंद्रों पर आयोजित हुई नीट परीक्षा की प्रोविजनल आंसर-की जारी हो गई है जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को ड्रॉप कर दिया गया है। छात्रों को 4 मार्क्स का फायदा हुआ है। भले ही किसी ने इस सवाल को सॉल्व किया था या नहीं। फिजिक्स के एक और सवाल पर विवाद था। माना जा रहा था कि एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए। अब उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा तो, उन्हें पूरे 4 नंबर मिलेंगे।



आंसर के चैलेंज का अंतिम अवसर

एनटीए ने आंसर की जारी करते हुए उसमें से एक सवाल हटा दिया है लेकिन इसके साथ ही अगर किसी उम्मीदवार को किसी भी तरह की कोई दिक्कत हो, तो वह उस सवाल के लिए चैलेंज कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री पार्टनर और करीबी दोस्त है। मैं इस दौरे को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है

तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी

एजेंसी ►►विक्टोरिया

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिन के सरकारी दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी और उनके उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां पीएम मोदी को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। पीएम मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे।

दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और समृद्धि को देंगे बढ़ावा

◆ पीएम सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे



सेशेल्स पहुंचने पर पीएम मोदी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया

राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे

पीएम मोदी ने सेशेल्स दौरे पर कहा- सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' का प्रमुख साझेदार है। जिसका मतलब है 'क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र प्रगति' और ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

हिंद महासागर में करीबी दोस्त

पीएम मोदी ने सेशेल्स पहुंचने पर एक पोस्ट में कहा कि सेशेल्स पहुंच गया हूं। एयरपोर्ट पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत को मैं बहुत सरावना करता हूं। उन्होंने कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री पार्टनर और करीबी दोस्त है। मैं इस दौरे को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है।

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

सेशेल्स एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और एक्स पर कहा कि ये सेशेल्स एयरपोर्ट पर हुए शानदार स्वागत की कुछ झलकियां हैं। भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह के लिए उनका शुक्रिया।



तीव्र गश्ती पोत, नौकाएं और एम्बुलेंस सौंपी

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की समुद्री सुरक्षा और रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सेशेल्स के राष्ट्रपति हर्मिनी को उपहारस्वरूप तीव्र गश्ती पोत 'लेस्पवार', 10 उपयोगी वाहन, 5 लेजर रेडियल नौकाएं तथा 6 एम्बुलेंस सौंपी।



कच्च के नृत्य की प्रस्तुति

पीएम मोदी के स्वागत के लिए कच्च का नृत्य प्रस्तुत किया गया। पीएम मोदी ने लिखा कि शानदार सांस्कृतिक जुड़ाव! सेशेल्स में एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान कच्च का नृत्य भी शामिल था।

यूएस विदेश मंत्री रुबियो ने की पुष्टि जल्द आएंगे राष्ट्रपति ट्रंप समझौता अंतिम चरण में



यूएस विदेश मंत्री मार्को रुबियो

एजेंसी ►►वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं।

भारत अमेरिका का करीबी सहयोगी

अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लाता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। रुबियो ने कहा है कि भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि दोनों देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा कर रहे हैं। उन्होंने भारत की ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति का समर्थन करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में गहरा सहयोग दोनों देशों की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत कर सकता है।

पीएम मोदी बेहद ऊर्जावान: गोर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। पीएम मोदी के बारे में गोर ने कहा कि वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा करने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

खबर संक्षेप

कराची में आत्मघाती हमला, 4 की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-6 स्थित रेंजर्स हेडक्वार्टर (पाकिस्तान रेंजर्स का मुख्यालय) के पास जोरदार धमाकों के बाद काफी देर तक गोलीबारी हुई। इस हमले में 4 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने 5 आतंकियों के भी मारे जाने की बात कही है। इनमें से तीन की मौत सुरक्षा बलों की जवाबी गोलीबारी में हुई, जबकि दो आत्मघाती विस्फोट में मारे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कराची हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है।

तीन माह के बेटे संग बैठक में पहुंची स्वीडन की मंत्री

लक्जमबर्ग। स्वीडन की मंत्री रोमिना पोरमोख्तारी अपने तीन महीने के बेटे एडम को गोद में लेकर यूरोपीय संघ के जलवायु मंत्रियों की बैठक में पहुंचीं। यूरोपीय यूनियन की बैठक में पहली बार ऐसा देखने को मिला, जब इतना नन्हा मेहमान इसका हिस्सा बना। रोमिना ने कहा कि मैंने जाबुबूकर ऐसा किया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि मां बनने का मतलब यह नहीं कि किसी महिला का कैरियर रुक जाए। 30 साल की पोरमोख्तारी वर्ष 2022 में पद संभालने के समय स्वीडन की सबसे कम उम्र की मंत्री थीं।

गुलमर्ग में ब्लास्ट, एक पोर्टर की मौत, 4 घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में धमाका हुआ है। इसमें एक पोर्टर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य के घायल होने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सुमली वाली ढोक में आशा पोस्ट के नजदीक एक धमाका हुआ। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी है। मुतक की पहचान जाबिर अहमद बजाद के रूप में हुई है, जो मोहम्मद रफीक बजाद का बेटा था और बारामूला के चंदौसा में गलीबल का रहने वाला था।

जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन



एजेंसी ►►जिनेवा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेंबर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त

ट्रंप ने चेतावनी देते हुए किया ऐलान डिजिटल सेवा कर लगाने पर यूएस 100% टैरिफ लगाएगा

एजेंसी ►►वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई देश अमेरिका की डिजिटल सेवा से जुड़ी कंपनियों पर टैक्स लगाता है, तो उनकी सरकार ऐसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएगी। ट्रंप ने साफ किया कि यह टैरिफ उन देशों पर ऊपर से लगेगा, जिनके साथ



अमेरिका का व्यापार समझौता लागू होगा। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय संघ (ईयू) ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की शर्तें लगभग तय कर ली हैं और दोनों देशों के बीच इस पर मुहर लगने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। डिजिटल सेवा कर आमतौर पर देशों की तरफ से इसलिए लागू किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मल्टीनेशनल (बहुराष्ट्रीय) तकनीकी कंपनियां उस देश के कर ढांचे में अपना योगदान दें, जहां के ग्राहकों से वे कमाई कर रही हैं।

भारत अग्रणी प्रौद्योगिकी देश बन रहा एआई, परमाणु और अंतरिक्ष में अनुसंधान से तय होगा भविष्य

एजेंसी ►►नई दिल्ली

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा पीएम कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), परमाणु, अंतरिक्ष और क्वांटम प्रौद्योगिकियां भविष्य के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की रूपरेखा तय करेंगी। उन्होंने कहा कि



भारत इन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में तेजी से अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो रहा है। 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) ने तीन वर्षों के भीतर अपने निर्धारित लक्ष्यों में से आधे से अधिक हासिल कर लिए हैं। भारत क्वांटम-सुरक्षित संचार, क्वांटम कंप्यूटिंग और संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। क्वांटम-सुरक्षित संचार रक्षा, रणनीतिक संचार, साइबर सुरक्षा और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

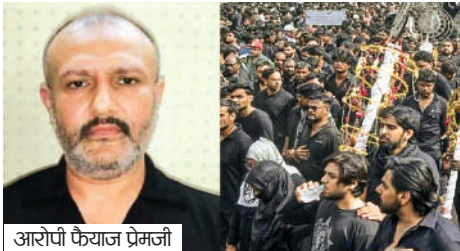
बाल्टीमोर पहुंचा आईएनएस सुदर्शनी



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी ऐतिहासिक समुद्री अभियान 'लोकयान-26' के तहत 26 जून को अमेरिका के मेरीलैंड स्थित बाल्टीमोर बंदरगाह पहुंचा। नॉरफॉक से बाल्टीमोर तक की यात्रा के दौरान पोत ऐतिहासिक चेसापीक एवं डेलावेयर (सीएंडडी) नहर और मध्य-अटलांटिक क्षेत्र के प्रमुख पुलों के नीचे से होकर गुजरा। बाल्टीमोर यात्रा भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और भारतीय नौसेना तथा अमेरिकी नौसेना के बीच मजबूत मित्रता एवं सहयोग का प्रतीक मानी जा रही है। इस दौरान पोत अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'सेल250 मेरीलैंड' समारोह से पहले विभिन्न समुद्री और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा।

मुंबई में मुहर्रम जुलूस के दौरान बड़ी साजिश नाकाम

जहरीले पदार्थ को कैप्सूल में भरकर बेचने वाला एक युवक हिरासत में



आरोपी फैयाज प्रेमजी

कैप्सूल में मरा या जिक फॉस्फाइड

मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर 50 किलोग्राम जिक फॉस्फाइड मंगवाया था। उसने लगभग 30 हजार कैप्सूल में एक-एक ग्राम जिक फॉस्फाइड भरा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 14,900 कैप्सूल बरामद किए हैं। फैयाज पुणे के दिमाग नगर का निवासी बताया जा रहा है।

पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप, यूएन से हस्तक्षेप की मांग

पीओके पीएम की पाक रक्षा मंत्री को दो दूक

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट और मीरपुर के निवासी असली कश्मीरी नहीं हैं। उनके इस बयान की पीओके के पीएम फैसल मुमताज राठौर ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी पहचान के लिए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ या किसी और से पुष्टि की जरूरत नहीं है।

राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की।

खालिस्तानी आतंकियों के निशाने पर कई मंदिर

खुफिया विभाग ने उत्तराखंड से लेकर दिल्ली तक आतंकियों हकले का अलर्ट जारी किया है। आतंकी उत्तराखंड और दिल्ली के मंदिरों, सरकारी संस्थान, रेलवे स्टेशन और पुलिस को भी टारगेट कर सकते हैं। एक ईमेल के मिलने के बाद से उत्तराखंड पुलिस, इंटेलिजेंस एजेंसियां और दिल्ली पुलिस अलर्ट पर हैं। ईमेल में कई मंदिरों के नाम, कई ऑफिस और पॉलिटेक्निक नेताओं को टारगेट के बारे में भी लिखा है। दिल्ली पुलिस भी अब इस ईमेल की जांच में जुटी है। अलर्ट मिलने के बाद उत्तराखंड पुलिस, खुफिया एजेंसियों और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा उपार्यों को बढ़ा दिया है।

मन-जीवन को कर रहा अशांत सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस



कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वचुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वचुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब

से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेरार की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तलखी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बुझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-रंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटजी ही है।

गहवा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर श्रुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।



होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वचुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वचुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं। कितने सफल हैं। इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहें सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए ईसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख की भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वचुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन को सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *



अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

अचीवमेंट
संजय श्रीवास्तव

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तोत्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहास: जब भारत ने 'मिशन

दृष्टि' के तहत 190 किलो वजन की दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुते न गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीक: गैलेक्सआई द्वारा लॉन्च मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पंचर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिव: गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉर्पोरेट स्पेस इंटरस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी

क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मोस, जो श्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निरेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। श्री-डी प्रिंटों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया

जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांन कंप्नी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है। हो रहा वैश्विक प्रसार: देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीकी प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *



सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। जोड़ने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारी और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी उर्जा और समय खपावे लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर देखा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्कॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में मटकव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वचुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

भूल गए हैं लोग सलीका

भूत गए हैं लोग सलीका आभरण का, भाव नहीं दिखता आंखों में अप्रपेयन का। भ्रमने दाते पेड़ों की भीड़ लगी है, मोल नहीं लेता कानन में श्रव चंदन का। याद किसी की आने पर सर दीवारों से टकराए तो दोष नहीं लेता दरपन का। इकीर्दीन उग्न ठाला करती है सबकी जग में धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का। साथ न हो गर मन का भीत सफर में नदरों लगे लगे लगी है हर मौसम फिर बेगन का।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा ईसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी

लंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला



पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बायत के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारतियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दुल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है। हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दुल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठायी है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुद्दों पर भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तक: आवारा अदकार (कहानी संग्रह), लेखक: विक्रम सिंह, मूल्य: 250 रुपए, प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगती, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की

उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन



गुआडालाजारा। स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा को एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिकी टीम की डिग्रेज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम गुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को

कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाप्पा ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश



टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी पेप ग्युये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब

दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सरें ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप ग्युये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश



ह्यूस्टन। केप वर्दे ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे

हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं। केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रां करवाए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े भंड पर पहली बार खेल रहा है।

मिस्र ने पहली बार बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

सिएटल। मिस्र ने महमूद साबेर के शुरू में किए गए गोल के बावजूद कुछ विषम पलों से गुजरते हुए ईरान के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण मैच को 1-1 से ड्रा खेला और पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। ईरान ने गोल करने के अधिक मौके बनाए। इनमें संभावित विजयी गोल भी शामिल था, जिसे ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया। उसे अब अपने भाग्य का पता लगाने के लिए एक दिन इंतजार करना होगा जब टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम का निर्धारण होगा। मिस्र ने पांचवें मिनट में साबेर के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली।



मोहम्मद सालाह ने बॉक्स के अंदर शानदार खेल दिखाया, जिसके बाद साबेर ने ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के पैरे के बीच से शॉट मारकर गोल कर दिया। ईरान ने नौ मिनट बाद राकिन रेजेयान के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। उसने दूसरे हाफ के इजरी टाइम के तीसरे मिनट में विजयी गोल कर दिया था जब शोजा खलीलजादेह ने गोल में शॉट लगाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे ऑफसाइड करार दिया गया। अगर यह गोल मान्य होता तो ईरान नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर लेता।

खबर संक्षेप

‘प्रसिद्धि और चकाचौंध’ से दूर सूर्यवंशी : संगकारा

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जवाबदारी सहाजना करते हुए कहा है कि वह ‘प्रसिद्धि और चकाचौंध’ से प्रभावित होने वाले खिलाड़ी नहीं हैं और दबाव में भी बेहद सहज रहते हैं। श्रीलंका के इस पूर्व दिग्गज कहा कि यह आक्रामक किशोरी बल्लेबाज भारत के साथ-साथ विश्व क्रिकेट में भी बड़ा नाम बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी के करियर को समझदारी से आगे बढ़ाने और परिवार और टीम के मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। संगकारा ने कहा, उन्हें आने वाले समय में क्रिकेट और व्यावसायिक स्तर पर कई अवसर मिलेंगे। इन सबके बीच संतुलन बनाना और उसे मिलने वाला समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा। लेकिन एक बात तय है कि उसे बल्लेबाजी करना पसंद है।

श्रीलंका की स्काटलैंड पर रोमांचक जीत



मैनचेस्टर। श्रीलंका ने अंतिम ओवर तक चले रोमांचक मैच में स्काटलैंड को 3 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखा। स्काटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सराह ब्रायस के नाबाद 47 और सलामी बल्लेबाज डारसी कार्टर के 34 रन की मदद से छह विकेट पर 151 रन बनाए। श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से कप्तान चमारी अटापट्ट ने सर्वाधिक 33 रन का योगदान दिया। श्रीलंका को आखिरी ओवर में सात रन की जरूरत थी।

963 दिन बाद वापसी फीकी, जीत के साथ दौरा खत्म करना चाहेंगे अय्यर

एजेसी ►► बेलफास्ट

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में चौकाने वाली हार का सामना करने के बाद भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजे शीर्ष बल्लेबाजी क्रम पर रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। श्रेयस अय्यर की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 963 दिनों बाद वापसी और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। वह बुधवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से पहले आयरलैंड दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे।

बिखरी टीम इंडिया की बल्लेबाजी
भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजी का बिखर जाना रही। तीन महीने पहले विश्व कप में नायक रहे संजू सैमसन सिर्फ चार गेंद खेलकर आउट हो गए। ईशान किशन और अय्यर भी बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक खेल जारी रखा और अच्छी शुरुआत दी, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पावरप्ले के बाद उनका आउट होना भारत की पारी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज शाम 6 बजे से



राणा ने किया अच्छा प्रदर्शन
गेंदबाजी में कुछ सकारात्मक बातें भी रही। हर्षित राणा ने चोट से वापसी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अश्विनीप सिंह और अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। टीम को सबसे अधिक नुकसान वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृपल ने भी अंतिम ओवरों में 57 रन लुटाने से हुआ। कृष्णा ने पारी के 17वें ओवर में 27 रन दिए।

महिला टी20 वर्ल्ड कप मैच शाम 7 बजे से

एजेसी ►► लंदन

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को लंदन के लॉड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा। टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में अभी तक चार मैच खेले हैं, जिसमें से उन्हें 3 में जीत मिली है। वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर दोनों देशों के फैंस के बीच भारी उत्साह है।

एशियाई खेलों में मैदान पर उतरेंगे नीरज



भारतीय माला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय पथलेटिक्स महासंघ (एफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज



भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच टी20 इंटरनेशनल में अभी तक 38 मैच खेले गए हैं, जिसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 9 में जीत मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 27 मुकाबले जीतने में कामयाब रही है। दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई रहा है और एक मैच का रिजल्ट नहीं आया। ये आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हमेशा से भारतीय महिला टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपने खेल के हर डिपार्टमेंट बॉटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा



भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने निर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), गुजराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अमेरिकी ओपन: सेमीफाइनल में देविका, रौनक और श्रीकांत

देविका ने किया उलटफेर, तीसरी वरीयता प्राप्त गुंजी को हराया

एजेसी ►► फुल्टन

देविका सिहाग ने जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी को हराकर बड़ा उलटफेर करके अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रौनक चौहान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। देविका ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दोनों गेम के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया।



रौनक चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमेन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से पराजित किया। वह पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके बाद



अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ ह्युओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराकर रविवार को भारत के दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल की उम्मीदें बढ़ा दीं।

अब देविका करेंगी क्रिस्टोफरसन का सामना

सेमीफाइनल में चौहान का सामना चीन के ताइपे के आठवीं वरीयता प्राप्त सु ली यांग से होगा, जबकि श्रीकांत जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो का सामना करेंगे। देविका सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करेंगी। डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया। महिला एकल के एक अन्य क्वार्टरफाइनल में रक्षिता श्री कनाडा की राहेल चान से 15-21, 21-16, 21-12 से हार गई।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली



पलैंग दिखा कर सुपरनॉक्स नाइट रन का शुभारंभ हुए।

सुपरनॉक्स नाइट रन के दूसरे संस्करण में सैर-सपाटा पर दौड़ा भोपाल, फिटनेस के साथ नशामुक्ति का दिया लोगों को संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

टीम सुपर एथलीट द्वारा आयोजित सुपरनॉक्स नाइट रन का सफल आयोजन शनिवार शाम सैर सपाटा ग्राउंड उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य फिटनेस अपनाने, नशे को कहें ना का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था।

शहर के विभिन्न आयु वर्ग के धावकों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम का शुरुआत मप्र की सबसे कम उम्र की आयरनमैन पावनी सपकाल द्वारा कराए गए 15 मिनट के ऊर्जावान डायनेमिक वार्म-अप सेशन से हुई।

7 वर्षीय जिया मिश्रा और 68 वर्षीय अपर्णा वशिष्ठ ने धावक के रूप में भाग लिया



सुपरनॉक्स नाइट रन के दौरान व्यायाम करते लोग।



सुपरनॉक्स नाइट रन में भाग लेते लोग।

अपर्णा वशिष्ठ वरिष्ठ महिला तो इमाम शेख वरिष्ठ पुरुष धावक

कार्यक्रम की सबसे प्रेरणादायक बात यह रही कि 7 वर्षीय जिया मिश्रा ने सबसे कम उम्र की धावक के रूप में सभी का उत्साह बढ़ाया। वहीं 68 वर्षीय अपर्णा वशिष्ठ ने सबसे वरिष्ठ महिला धावक के रूप में भाग लेकर यह साबित किया कि फिटनेस की कोई उम्र नहीं होती। इमाम शेख को सबसे वरिष्ठ पुरुष धावक के रूप में सम्मानित किया गया।

गुरुकुल पद्धति से कलाकार मैहर बैंड के संगीत एवं परंपरा में होंगे प्रशिक्षित

‘मैहर बैंड’ भारत सरकार की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में सम्मिलित

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र की समृद्ध पारंपरिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता मिली है। मप्र शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालित प्रदेश के विश्वविख्यात मैहर बैंड को भारत सरकार की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की सूची में शामिल कर लिया गया है। संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि विभाग को सात गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी पूर्व में प्राप्त हो चुके हैं। संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत एवं परम्परा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह उपलब्धि भी उन्हीं प्रयासों का परिणाम है।



मैहर बैंड के कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

मैहर बैंड में नए कलाकारों को प्रदान किए जाएंगे अवसर

उन्होंने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर के माध्यम से मैहर बैंड में नए कलाकारों को अवसर प्रदान करने के लिए गुरुकुल की स्थापना भी की जा रही है। गुरुकुल पद्धति से कलाकार मैहर बैंड के संगीत एवं परम्परा के बारे में प्रशिक्षित होंगे।

प्रसिद्ध संगीतज्ञ उस्ताद अलाउद्दीन खां ने की बैंड की स्थापना

मैहर वाद्यवृन्द (मैहर बैंड) की स्थापना 1918 में प्रसिद्ध संगीतज्ञ उस्ताद अलाउद्दीन खां ने मैहर रियासत के तत्कालीन राजा बुजनाथ सिंह जुदेव की प्रेरणा से की थी। भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा को बरकरार रखने में इस वाद्यवृन्द की महत्वपूर्ण भूमिका है। उस्ताद अलाउद्दीन खां ने परंपरागत वाद्ययंत्रों के अलावा दुर्लभ वाद्ययंत्रों का भी समावेश इस वाद्यवृन्द में किया था, जिसमें नलतरंग प्रमुख है। नलतरंग बंदूक की नलियों को काटकर



स्वरबद्ध करके एक नए शास्त्रीय वाद्य के रूप में निर्मित किया गया। यह वाद्यवृन्द में विशेष

आकर्षण प्रदर्शित करता है। यह नलतरंग वाद्य पूरी दुनिया का एक मात्र शास्त्रीय वाद्य के रूप में जाना जाता है। इस वाद्यवृन्द में सितार, इसराज, सरोद, वायलिन, चेलो, सितारबैजों, नलतरंग, हारमोनियम और तबला आदि वाद्य हैं। इन वाद्यों के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां ने अलग-अलग रागों पर आधारित अनेकों रचनाएं तैयार की थीं। धरोहर के रूप में कलाकार पीढ़ी दर पीढ़ी इस वाद्यवृन्द की परम्परा को संजोए चले आ रहे हैं।

देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित मंचों में कराई अपनी उपस्थिति

मैहर वाद्यवृन्द (मैहर बैंड) ने सर्वप्रथम 1924 में भारत के सभी प्रसिद्ध वाद्यवृन्द के कार्यक्रम भातखंडे समारोह केसर बाग, लखनऊ में रखा गया। इस समारोह में मैहर बैंड ने अद्वितीय प्रस्तुति दी। इसके बाद मैहर बैंड की ख्याति समूचे भारत वर्ष में फैल गई थी। अपने 108 वर्ष के सुदीर्घ संगीत इतिहास में मैहर वाद्यवृन्द ने देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित मंचों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

कथक की लय, भाव और अभिव्यक्ति से सजी कार्यशाला, सीखीं बारीकियां

तीन दिवसीय प्रस्तुति-परक कथक कार्यशाला का सफल समापन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सहर्ष कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रस्तुति-परक कथक कार्यशाला का अंतिम दिवस उत्साह, अनुशासन और कलात्मक अभिव्यक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यशाला का संचालन मुंबई से आए प्रख्यात कथक नृत्यांगन गुरु हरीश शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। समापन दिवस पर प्रतिभागियों ने कार्यशाला में सीखी गई कथक की विभिन्न तकनीकों, हस्त-मुद्राओं, तत्कार, चक्कर, भाव-अभिनय तथा लयबद्ध प्रस्तुतियों का अभ्यास किया।



कार्यशाला में अभ्यास करते प्रतिभागी।

केवल नृत्य नहीं, भारतीय संस्कृति अनुशासन का सशक्त माध्यम कथक: गुरु हरीश

गुरु हरीश शर्मा ने विद्यार्थियों को कथक की बारीकियों के साथ मंचीय प्रस्तुति, भाव-पक्ष, शारीरिक संतुलन और अभिव्यक्ति के महत्व पर विशेष मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि कथक केवल नृत्य नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अनुशासन और आध्यात्मिक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, मंचीय कौशल तथा शास्त्रीय नृत्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया।

हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं हमारी भाषा' विषय पर विमर्श का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

हिंदी बहुत ही व्यापक और समृद्ध भाषा है। इसका शब्द भंडार बहुत ही विशाल और विराट अक्षर संख्या है। इसके उलट अंग्रेजी में मात्र 26 अक्षर हैं और शब्द संख्या कुछ हजारों में ही है। ऐसे में सोचिए कि अंग्रेजी कब तक हमारी हिंदी की बराबरी कर पाएगी।

यह कहना है मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा का। वे शनिवार को हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं हमारी भाषा' विषय पर आयोजित विमर्श में बोल रहे थे। कार्यक्रम का आरंभ एमएलबी कॉलेज की शोभा मांडवी मिश्रा ने सरस्वती वंदना से किया कार्यक्रम में समिति के मंत्री संचालक डॉ. विकास दवे के साथ ही

अंग्रेजी हमारी हिंदी की बराबरी कभी नहीं कर सकती



सप्रे संग्रहालय की शोध निदेशक डॉ. मंगला अनुजा एवं लंदन में हिंदी के लिए कार्य कर रहे भोपाल के ही रितेश निगम भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

राजधानी की खबरें

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पर होगा आयोजन आरएनटीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, शोध-पत्र किए गए आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता के 200 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'समकालीन हिंदी पत्रकारिता : परंपरा, परिवर्तन और

भविष्य' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 10 और 11 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए शोध पत्र आमंत्रित किए गए हैं। पूर्ण शोध-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 8 जुलाई निर्धारित की गई है।

राज्य स्तरीय आईसीजेएस कार्यशाला आज

भोपाल। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी), पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा आईसीजेएस इंस्टीट्यूट ऑन डिजिटल इटीग्रेसन विषय पर रविवार को एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में किया जा रहा है। उक्त कार्यशाला पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो जयदीप प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में न्यायमूर्ति संजीव एस कलगांवकर, मौजूद रहेंगे।

प्रदेश में मानसून की तीन दिन पहले हो चुकी है एंट्री

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

प्रदेश में मानसून की तीन दिन पहले एंट्री के बाद भी भोपाल में अब तक मानसून नहीं पहुंचा है। बावजूद इसके शनिवार को राजधानी में सीजन की पहली तेज बारिश हुई। दिनभर तेज धूप और उमस के बाद शाम को अचानक मौसम ने करवट ली। चार बजे आसमान में काले बादलों ने डेरा डाला और साढ़े चार बजे से बौछारें पड़ना शुरू हो गई थी। इसके बाद रात करीब साढ़े नौ बजे तेज आंधी और गरज-चमक के साथ 8.5 मिलीमीटर झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।



तेज बारिश में रात 9.30 बजे मानसरोवर के सामने से गुजते वाहन।

कनवेक्टिव क्लाउड ने गिराया पानी

तेज बारिश के बाद शहर के लोगों को लगा कि भोपाल में मानसून आ गया है, लेकिन मौसम विभाग ने अब तक इसकी घोषणा नहीं की है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला का कहना है कि यह कनवेक्टिव क्लाउड हैं। जब धरती बहुत ज्यादा गर्म होती है और उसे नमी मिलती है, तो गरज-चमक वाले बादल बनकर बरस जाते हैं।

दिग्विजय आरएसएस-वीएचपी पर बोले- ये सनातन धर्म को मानने वालों और दान देने वालों को ठग रहे

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी मंदिर चोरी दान विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने उज्जैन में मीडिया से बात करते हुए कई गंभीर आरोप

लगाए। दिग्विजय सिंह का वीडियो पोस्ट किया है, दिग्विजय सिंह ने कहा यह मामला सोशल मीडिया के माध्यम से बाहर आया।



चंपत राय पर ट्रस्ट के लिए जमीन खरीदी में भ्रष्टाचार के आरोप

दिग्विजय बोले मामला उजागर होने के बाद एसआईटी बनी उसकी रिपोर्ट आ गई इसी बीच आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने चंपत राय द्वारा सरस्ती जमीन को कैसे महंगी कीमत पर ट्रस्ट के लिए खरीदवाया इसे 11 बिन्दुओं में समझाते हुए दस्तावेज एसआईटी को सौंपे हैं वो इसकी जांच कर रही है। यानि जो जमीन खरीदी उसमें भ्रष्टाचार किया। चंदे में भ्रष्टाचार, सिंधी समाज ने 200 किलो चांदी की ईंटें दी उसमें भ्रष्टाचार, एक महिला ने सोने के जेवर दिए उसमें भ्रष्टाचार, किसी को रसीद नहीं दी गई, विदेशों से मिले दान के लिए भी कोई रसीद नहीं दी गई। दिग्विजय सिंह ने कहा मतलब साफ है आरएसएस और वीएचपी का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। वे सनातन धर्म को मानने वालों और दान देने वालों को ठग रहे हैं। सनातन धर्म को मानने वालों के साथ इससे बड़ी बेईमानी, गद्दारी और धोखा नहीं हो सकता।